मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 283
मंगलवार, 06 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

# भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना मेरी जिम्मेदारीः राजनाथ सिंह

**नई दिल्ली, 05 मई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में वायुसेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख एडमिरल के साथ अहम बैठकें कीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में आतंकवादियों को करारा जवाब देने का संकल्प लिया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का उचित जवाब देने के लिए चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले कुछ दिनों में सेना प्रमुखों के साथ कई उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठकें की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि पहलगाम हमले के दोषियों को करारा जवाब देने के लिए बातचीत चल रही है। इसी दौरान राजनाथ सिंह का एक बयान सामने आया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करना और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना उनकी जिम्मेदारी है। सिंह की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आयी है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। रक्षामंत्री सिंह ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और उनकी कार्यशैली, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से वह जोखिम उठाते हैं, उससे वे भली-भांति परिचित हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

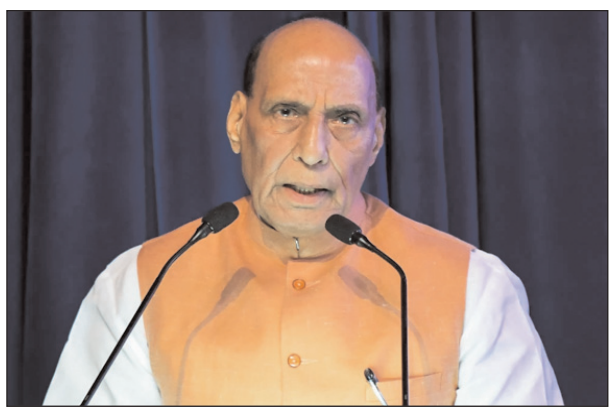

वरिष्ठ नेता सिंह ने कुछ भी स्पष्ट किये बिना कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह निश्चित रूप से होगा। सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। उक्त हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सिंह ने कहा, रक्षा मंत्री के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं, जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं। राजनाथ सिंह ने रविवार को यहां सनातन संस्कृति जागरण महोत्सव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने देश की आत्मा की रक्षा में संतों और आध्यात्मिक नेताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एक सैनिक रणभूमि में लड़ता है।

## ममता बनर्जी ने बीजेपी पर साधा निशाना

**मुर्शिदाबाद, 05 मई।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में स्थिति स्थिर हो गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा गृह मंत्रालय को दंगों पर दी गई रिपोर्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है और न ही उन्हें राज्य में अनुच्छेद 356 के संभावित क्रियान्वयन के बारे में कोई जानकारी है। सोमवार दोपहर ममता बनर्जी मुर्शिदाबाद के दो दिवसीय दौरे पर पहुंची हैं। ममता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सांप्रदायिक हिंसा करने के बजाय कृपया सीमा का ध्यान रखें। कृपया भारत का ध्यान रखें। ममता बनर्जी ने कहा कि हम भारत से प्यार करते हैं, कृपया भारत को किसी भी आपदा से बचाएं। कृपया उन लोगों को न्याय दें जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। गंदी राजनीति मत करो; मैं गंदी राजनीति बर्दाश्त करने

वाली आखिरी व्यक्ति हूँ। मैंने 10-12 प्रधानमंत्रियों को देखा है और उनके साथ काम किया है। मैं कार्यवाहक प्रधानमंत्री से कहना चाहती हूँ कि सांप्रदायिक दंगों की देखभाल करने के बजाय सीमा का ध्यान रखें। मैं प्रधानमंत्री की बात नहीं कर रही हूँ। भाजपा कह सकती है कि देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री कौन है...जब आप कुर्सी पर होते हैं, तो आप लोगों को विभाजित नहीं कर सकते।

ममता ने आगे कहा कि आप हमारे लोगों को क्यों पीट रहे हैं? मुझे जानकारी है कि ओडिशा, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में बंगाली बोलने वाले लोगों पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप बंगाली बोलने के कारण हमारे प्रवासी श्रमिकों पर हमला कर रहे हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करेंगे। यही आप और मुझमें अंतर है। हमारे राज्य में 1.5 करोड़ से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं, जो अलग-अलग धर्मों और क्षेत्रों से आते हैं। हम नहीं चाहते कि ऐसी घटनाएँ हों या कुछ गलतफहमियाँ पैदा हों। हमने ओडिशा, बिहार और राजस्थान की राज्य सरकारों से संपर्क किया है।

## हिमाचल को उसके हक का पानी मिलना चाहिए : मुख्यमंत्री सुक्खू

**हिमाचल प्रदेश।** हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य के लोगों को उनके हिस्से का पानी मिलना चाहिए। सुक्खू ने यह टिप्पणी पंजाब और हरियाणा की सरकारों के बीच भाखड़ा बांध के जल बंटवारे को लेकर जारी विवाद के बीच कीं।

उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश की सबसे कीमती प्राकृतिक संपदा पानी है। राज्य 12,000 मेगावाट बिजली पैदा करता है, फिर भी हिमाचल को इससे क्या हासिल हुआ? सुक्खू ने सवाल किया, सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) 6,700 करोड़ रुपये की कंपनी बन गई है, लेकिन हमें यह पूछना होगा कि बदले में हिमाचल को क्या हासिल हुआ? पंजाब और हरियाणा पानी के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन पानी हिमाचल से बह रहा है। बदले में हमें क्या मिल रहा है? मुख्यमंत्री ने न्यू शिमला के सेक्टर-5 में 18 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पार्किंग सुविधा का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने एक अन्य पार्किंग सुविधा, एक सामुदायिक केंद्र और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की। सुक्खू ने कहा, मेरी बहन यहीं रहती है और मेरा बचपन भी यहीं बीता है। मेरी राजनीतिक यात्रा भी यहीं से शुरू हुई थी।

## ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में चाचा-भतीजे की मौत, एक घायल

**बैतूल।** मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में एक ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो जाने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर बैतूल-परतवाड़ा मार्ग स्थित झल्लार थाने के अंतर्गत आने वाले घाट में रविवार शाम को हुई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि अरुण ककोडिया (30) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके 10 वर्षीय भतीजे हिमांशु का पैर कट गया और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी भी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि घटना में हिमांशु के पिता बाबूलाल गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक अरुण और हिमांशु तथा बाबूलाल, भीकुंड गांव से एक शादी में शामिल होने के लिए शाहपुर जा रहे थे। वर्मा ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर लिया है।

## दिल्ली महिला आयोग को जल्द ही दोबारा सक्रिय किया जाएगा : रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली, 05 मई।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ समय से निष्क्रिय दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) को जल्द ही फिर से सक्रिय किया जाएगा। रेखा गुप्ता ने यह बात राष्ट्रीय महिला आपके घर जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान कही।

राष्ट्रीय महिला आपके घर जन सुनवाई में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि संकट में फंसी महिलाएं सहायता के लिए सरकार की ओर देखती हैं और वर्तमान में लगभग 1,500 ऐसे मामले लंबित हैं।

रेखा ने कहा, इसीलिए दिल्ली महिला आयोग को पुनः सक्रिय किया जाएगा और यह आयोग फिर से कार्य करना शुरू करेगा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने आवास पर हाल में हुई एक जन सुनवाई का उल्लेख किया, जिसमें एक अभिभावक ने शिकायत की थी कि कुछ लड़के उनकी बेटियों को लगातार परेशान कर रहे हैं, जबकि इस संबंध में पहले ही एक शिकायत दर्ज करवाई जा चुकी है।

रेखा ने कहा, ऐसे लोग गलती करते रहेंगे, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके खिलाफ कार्रवाई करें।

## पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र की किसी भी कार्रवाई का समर्थन करेगी कांग्रेसः प्रियंका गांधी

**नई दिल्ली, 05 मई।** कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का पूरा समर्थन करेगी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने पहले ही इस रुख की पुष्टि करते हुए एक प्रस्ताव पारित कर दिया है। वायनाड की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान बोलते हुए, एआईसीसी महासचिव ने उम्मीद जताई कि हमले के मद्देनजर केंद्र सरकार तेजी से कार्रवाई करेगी।

प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी... सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई और हमने एक प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में, हमने कहा है कि सरकार जो भी कार्रवाई करने का फैसला करती है, हम उसके साथ पूरी तरह से खड़े हैं। और हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही कार्रवाई करेंगे। शुक्रवार को, कांग्रेस ने केंद्र से पहलगाम आतंकी हमले के

मद्देनजर पाकिस्तान को उसके लगातार आतंक के निर्यात के लिए दंडित करने के लिए दृढ़ता के साथ काम करने का आग्रह किया और देश के सबसे अधिक सुरक्षा वाले क्षेत्रों में से एक में सुरक्षा और खुफिया जानकारी में गंभीर खामियों के लिए समयबद्ध जवाबदेही के लिए दबाव डाला। वहीं, सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का बड़ा बयान सामने आया है। खड़गे ने साफ तौर पर कहा है कि पहलगाम हमले पर को लेकर मोदी सरकार की नीति स्पष्ट नहीं है।

उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 24 अप्रैल को उहउ की तत्काल बैठक हुई थी। उसमें हमने संकल्प पास कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में और आतंकवादीयों को सबक सिखाने में सरकार को सभी संभव सहयोग देने की बात कही थी। खड़गे ने आगे लिखा कि पर इस घटना के कई दिन बाद भी सरकार की तरफ से कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है। राहुल गांधी जी ने कानपुर में शुभम द्विवेदी के परिवारजनों से मुलाकात की औ? सरकार से मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा और सम्मान देने की माँग की है।

उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और खुशहाली की राह में जो भी चुनौती बनकर आएगा, उसके खिलाफ हम एक होकर सख्ती से निपटेंगे। पूरा विपक्ष इस मसले पर सरकार के साथ है। हमने पूरी दुनिया को यही संदेश दिया है।

## भाजपा सरकार का नया कारनामा गोबरनामा : अखिलेश यादव

**लखनऊ, 05 मई।** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत करने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि गोबरनामा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का नया कारनामा है।

यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गोबरनामा भाजपा सरकार का नया कारनामा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की खबर छपी हुई थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को गौ

संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया था और सरकारी भवनों में गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट के इस्तेमाल की वकालत की थी। मुख्यमंत्री ने रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए और इन पेंट संयंत्रों की संख्या बढ़ाई जाए। योगी ने कहा था कि पशुपालन और दुग्ध विकास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है तथा यह क्षेत्र केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें आजीविका, पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा था कि तकनीक, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देते हुए इस क्षेत्र को और सशक्त किया जाना चाहिए।

## पहलगाम आतंकी हमले का दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब दिया जाना चाहिए: सचिन पायलट

**जयपुर, 05 मई।** पहलगाम हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया हैं। ऐसे में कई राजनेता इस हमले पर राजनीति भी करते नजर आये। वहीं ऐसे विकट समय में कुछ नेता ऐसे भी है जो राष्ट्रहित के बारे में सोचते हैं राजनीति को परे रखते हुए। इन्हीं में से एक हैं कांग्रेस नेता सचिन पायलट। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि पहलगाम में नागरिकों पर हाल में हुआ आतंकवादी हमला राष्ट्र पर हमला है और देश पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के

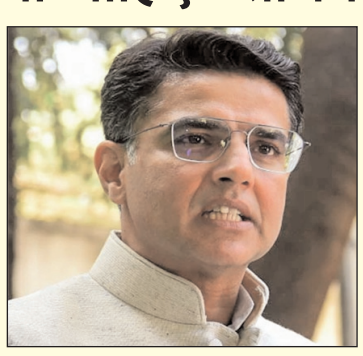

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के मामले में केंद्र सरकार को दृढ़ता से मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। पायलट ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस पार्टी व समूचे विपक्ष ने केंद्र सरकार का समर्थन किया है। पायलट, उदयपुर में संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। पायलट ने पहलगाम आतंकी हमले के बारे में पूछे जाने पर कहा, क्या और कैसे कार्रवाई करनी है ये तो केंद्र सरकार जानती है। लेकिन मैं इतना जानता हूं कि भारत का एक-एक नागरिक इस बात के लिए आतुर है कि हम जल्द से जल्द एक प्रभावी कार्रवाई करें ताकि आतंकवाद को दुबारा पनाह देने की हिम्मत पाकिस्तान न करे। उन्होंने कहा, आज देश के 140 करोड़ लोग एकजुट हैं और चाहते हैं कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.( Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.( Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

# अव्वल आने की होड़ में छात्रों की आत्महत्याएं चिन्ताजनक



-ललित गर्ग

टॉपर संस्कृति के दबाव एवं अव्वल आने की होड़ में छात्रों के द्वारा तनाव, अवसाद, कुंठा में आत्महत्या कर लेना एक गंभीर समस्या है। यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है कि हमारी छात्र प्रतिभाएं आसमानी उम्मीदों, टॉपर संस्कृति के दबाव व शिक्षा तंत्र की विसंगतियों के चलते आत्मघात की शिकार हो रही हैं। हाल ही में लगातार हो रही छात्रों की दुखद मौतें जहां शिक्षा प्रणाली अतिश्योक्तिपूर्ण प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है, वहीं विचलित भी करती हैं। इनमें राजस्थान स्थित कोटा के नीट के परीक्षार्थी और मोहाली स्थित निजी विश्वविद्यालय में फोरेंसिक साइंस का एक छात्र शामिल था। पश्चिम बंगाल के आई आई टी खड़गपुर में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शव उनके हॉस्टल रूम में फंदे से लटका मिला। भुवनेश्वर के कीट में कम समय में दूसरी नेपाली छात्रा की मौत से विश्वविद्यालय की छवि और भारत के विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। नीट के पेपर के तनाव में नूपुर ने नीट पेपर के एक दिन पहले फांसी लगाकर जान देना एवं मौत को गले लगाना हमारी घातक प्रणालीगत विफलता एवं टॉपर संस्कृति की आत्महंता सोच को ही उजागर करती है। निश्चित रूप से छात्र-छात्राओं के लिये घातक साबित हो रही टॉपर्स संस्कृति में बदलाव लाने के लिए नीतिगत फैसलों की सख्त जरूरत है। राजस्थान सरकार की ओर से प्रस्तावित कोचिंग संस्थान (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक इस दिशा में बदलावकारी साबित हो सकता है। लेकिन केन्द्र सरकार को भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे ताकि छात्रों में आत्महत्या की समस्या के दिन-पर-दिन विकराल होते जाने पर अंकुश लग सके। यह शिक्षाशास्त्रियों, समाज एवं शासन व्यवस्था से जुड़े हर एक व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।



कोचिंग संस्थानों की बढ़ती बाढ़ एवं गलाकाट प्रतिस्पर्धा में छात्र किस हद तक जानलेवा घातकता का शिकार हो रहे हैं। यह दुखद ही है कि सुनहरे सपने पूरा करने का ख्वाब लेकर कोटा गए चौदह छात्रों ने इस साल आत्महत्याएं की हैं। विडंबना यह है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद कोचिंग संस्थानों के संरचनात्मक दबाव, उच्च दांव वाली परीक्षाओं, गलाकाट स्पर्धा, दोषपूर्ण कोचिंग प्रथाएं और सफलता की गारंटी के दावों का सिलसिला थमा नहीं है। यही वजह है कि हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कई कोचिंग संस्थानों को भ्रामक विज्ञापनों और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं के चलते नोटिस दिए हैं। दरअसल, कई कोचिंग संस्थान जमीनी हकीकत के विपरीत शीर्ष रैंक दिलाने और चयन की गारंटी देने के थोथे एवं लुभावने वायदे करते रहते हैं। निस्संदेह, इस तरह के खोखले दावे अक्सर कमजोर छात्रों और चिंतित अभिभावकों के लिये एक घातक चक्रव्यूह बन जाते हैं। छात्रों को अनावश्यक प्रतिस्पर्धा के लिये बाध्य करना और योग्यता को अंकों के जरिये रैंकिंग से जोड़ना कालांतर में अन्य छात्रों को निराशा के भंवर में फंसा देता है। वास्तव में सरकार को ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करना चाहिए, जो विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिये पर्याप्त संख्या में रोजगार के अवसर पैदा कर सके। वास्तव में हमें युवाओं को मानसिक रूप से सबल बनाने की सख्त जरूरत है, तभी भारत सशक्त होगा, विकसित होगा।

पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। युवाओं को भी सोचना होगा कि जिंदगी दोबारा नहीं मिलती। इसे यूं ही तनाव में आकर ना गंवाएं, बल्कि जिंदगी में आने वाली कठिनाइयों का डटकर मुकाबला करें। पढ़ाई में असफल रहने के कारण कुछ बच्चों पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। हर परिवार की अपने बच्चों से ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। अधिकतर युवा जिंदगी में आने वाली समस्याओं को बर्दाश्त नहीं कर पाते और वे अपनी बात किसी से साझा तक नहीं करते। प्रतिभागियों को बताया जाना चाहिए कि कोई भी परीक्षा जीवन से बड़ी नहीं होती। छात्रों की आत्महत्या की घटनाएं तथाकथित समाज एवं राष्ट्र विकास एवं शिक्षा की विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद तस्वीर को बयां करती है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों, उच्च शिक्षा संस्थानों एवं कोंचिंग संस्थानों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं हमारी चिन्ता का सबब बनना चाहिए।

वैसे छात्रों की आत्महत्या कोई नई बात नहीं है, ऐसी खबरें हर कुछ समय बाद आती रहती हैं। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में कोचिंग संस्थानों में ही नहीं, आईआईटी जैसे संस्थानों में ही 52 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह संख्या इतनी छोटी भी नहीं कि ऐसे मामलों को अपवाद मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। बेशक ऐसे हर मामले में अवसाद का कारण कुछ अलग रहा होगा, वे अलग-अलग तरह के दबाव होंगे, जिनके कारण ये छात्र-छात्राएं आत्महत्या के लिए बाध्य हुए होंगे। ऐसे संस्थानों में जहां भविष्य की बड़ी-बड़ी उम्मीदें उपजनी चाहिए, वहां अगर दबाव और अवसाद अपने लिए जगह बना रहे हैं और छात्र-छात्राओं को आत्महंता बनने को विवश कर रहे हैं तो यह एक काफी गंभीर मामला है। शैक्षणिक दबावों के चलते छात्रों में आत्महंता होने की घातक प्रवृत्ति का तेजी से बढ़ना हमारे नीति-निमार्ताओं के लिये चिन्ता का कारण बनना चाहिए। क्या विकास के लम्बे-चौडे.दावे करने वाली भारत सरकार ने इसके बारे में कभी सोचा? क्या विकास में बाधक इस समस्या को दूर करने के लिये सक्रिय प्रयास शुरू किए?

विचित्र है कि जो देश दुनिया भर में अपनी संतुलित जीवनशैली एवं अहिंसा के लिये जाना जाता है, वहां के शिक्षा-संस्थानों में हिंसा का भाव पनपना एवं छात्रों के आत्महंता होते जाने की प्रवृत्ति का बढ़ना अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रहा है। ऐसे ही अनेक प्रश्नों एवं खौफनाक दुर्घटनाओं के आंकड़ों ने शासन-व्यवस्था के साथ-साथ समाज-निमार्ताओं को चेताया है और गंभीरतापूर्वक इस विडम्बनापूर्ण एवं चिन्ताजनक समस्या पर विचार करने के लिये जागरूक किया है, लेकिन क्या कुछ सार्थक पहल होगी? बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके। फिलहाल जरूरी यह भी है कि इन संस्थानों में एक ऐसे तंत्र को विकसित किया जाए, जो निराश, हताश और अवसादग्रस्त छात्रों के लगातार संपर्क में रहकर उनमें आशा का संचार कर सके, उन्हें सकारात्मकता के संस्कार दे सके। इसके लिए स्थाई तौर पर कुछ मनोवैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जा सकती हैं।

छात्रों के सिर पर परीक्षा का तनाव एवं अव्वल आने की दोड़ प्रतिस्पर्धा के दौर में और भी बढ़ गयी है। आज रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हैं। ग्रेजुएशन कर चुकने वाला छात्र केवल किसी दफ्तर में ही अपने लिये सम्भावनायें तलाशता है। लेकिन नौकरी नहीं मिलती। बेरोजगारी अवसाद की ओर ले जाती है और अवसाद आत्महत्या में त्राण पाता है। लेकिन कोचिंग संस्थानों एवं शिक्षा के उच्च संस्थान में अवसाद पसरा है और उसके कारण छात्र यदि आत्महत्या करते हैं, तो यह इस उच्च शैक्षणिक संस्थानों एवं कोचिंग संस्थानों के भाल पर बदनुमा दाग है। यह माना जाता है कि देश की सबसे प्रखर प्रतिभाएं इन्हीं कोचिंग संस्थानों में पहुंचती हैं, जहां लगातार हो रही आत्महत्या की खबरें यह तो बताती ही हैं कि कोचिंग संस्थानों में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, साथ ही वे बहुत से बच्चों और उनके अभिभावकों के सपने को तो तोड़ते ही हैं लेकिन उनकी उम्मीद की सांसों को ही छीन लेते हैं। बहुत जरूरी है कि कोचिंग संस्थान अपनी कार्यशैली एवं परिवेश में आमूल-चूल परिवर्तन करें ताकि छात्रों पर बढ़ते दबावों को खत्म किया जा सके, इन दबावों के कारण ही कुछ छात्र आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। जब छात्रों में अव्वल आने की मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उसे पूरा करने के लिये साधन, क्षमता, योग्यता एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। इनदिनों शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं अभिभावकों की अतिशयोक्तिपूर्ण महत्वाकांक्षाओं के कारण आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिल रही है।

# क्यों हर साल बन जाती है नीट परीक्षा कोटा के छात्रों के गले का फंदा?



अशोक भाटिया

नीट यूजी एग्जाम से पहले राजस्थान के कोटा से एक बार फिर दुखद खबर सामने आई है। कोटा में नीट की तैयारी कर रही एक 17 साल की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। यह घटना शहर के कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के पार्श्वनाथपुरम इलाके में हुई। छात्रा को सोमवार 4 मई 2025 को नीट का एग्जाम देना था, लेकिन उसने शनिवार को अपने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी।छात्रा अपने पूरे परिवार के साथ पार्श्वनाथपुरम में रह रही थी। उसका परिवार मूल रूप से मध्य प्रदेश के श्योपुर क्षेत्र का रहने वाला है। छात्रा की पढ़ाई के लिए परिवार ने 2017 में कोटा में मकान खरीद लिया था। मृतक छात्रा के पिता सुरेश राजपूत और मां दोनों सरकारी शिक्षक हैं। माँ श्योपुर में सरकारी कर्मचारी के तौर पर कार्यरत हैं।छात्रा पिछले दो साल से नीट की तैयारी कर रही थी। आज उसका नीट एग्जाम था, लेकिन उसने परीक्षा से एक दिन पहले ही आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा के पिता सुरेश राजपूत ने बताया कि उनकी बेटी ने अपने कमरे में फंदा लगाकर अपनी जान दी है।

गौरतलब है कि कोटा राजस्थान में बसी वह शिक्षा नगरी जहां बच्चे अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जाते हैं। उनके ऊपर सिर्फ मंजिल हांसिल करने की धुन सवार होती है। समझ नहीं आ रहा कि इस नगरी में आखिर ऐसी कौन सी आबो हवा है जो वहां जाने के बाद कुछ छात्र सुसाइड करना चुन लेते हैं। वे आखिर अपनी जान क्यों दे देते हैं? जिस सपने को पूरा करने के लिए वे अपनों से दूर जाते हैं आखिर उन अपनों को हमेशा के लिए क्यों छोड़ जाते हैं? जवाब कौन देगा पता नहीं?

जनवरी से लेकर अब तक इस वर्ष 27 छात्र खुदकुशी कर चुके हैं। अगस्त और सितंबर के महीने से अभी तक 9 छात्रों के आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। वहीं कोटा में बड़ी संख्या में यूपी के छात्र भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। विगत 18 सितंबर को कोटा में उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद निवासी 17 वर्षी छात्रा ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली थी। छात्रा कोटा में डेढ़ साल से रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। छात्रा के पिता ने उसके खुदकुशी करने के बाद कोचिंग संस्थान पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कोचिंग संस्थान की तरफ से पढ़ाई का काफी दबाव बताया था, जिसकी वजह से उनकी बेटी ने खुदकुशी की। हालांकि संस्थान की ओर इन आरोपों का खंडन किया गया था। कोचिंग प्रबंधन ने मामले को प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया। इसके बाद पिता ने इसे पूरी तरह गलत करार देते हुए थाने में मामला दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे का एक फ्रेंड सर्कल होता है। ऐसे में इसे प्रेम संबंधों से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने कोचिंग संस्थान पर डराने और धमकाने का भी आरोप लगाया।

बताया जाता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चे हर रोज व्यस्त दिनचर्या, गलाकाट प्रतियोगिता और होमसिकनेस ये सभी फैक्टर अवसाद को बढ़ाते हैं और कमजोर क्षणों में छात्रों के लिए आत्मघाती बन सकते हैं। ये बातें नीट की तैयारी कर रही मध्यप्रदेश की प्रगति गुप्ता ने कही थी । तीन छात्रों के सुसाइड मामला सामने आने के बाद बहस छिड़ी है कि ऐसा क्या है कि छात्र आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। इसके जवाब में प्रगति ने कहा कि कोटा आने वाले कहीं न कहीं कठिन सफर के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं लेकिन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी का समय लंबा होता है। ऐसे में हम में से कई पहली बार परिवार को छोड़कर पढ़ने के लिए दूर आते हैं। इसलिए होमसिकनेस के साथ पढ़ाई का दवाब अक्सर हमारे लिए कमजोर पल का निर्माण करता है। जिसमें हम खुद को अकेला महसूस करते हैं।

उत्तर प्रदेश के इटावा के संदीप तिवारी ने के अनुसार 10 महीने की तैयारी का शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि ब्रेक के दौरान घर भी नहीं जा पाते हैं। हमेशा छुट्टियों में हमें पढ़ाई में पिछड़ जाने का डर सताता रहता है। यह ट्रेडमिल पर दौड़ने जैसा है और आप एक कदम भी नहीं चूक सकते। यदि आप दो दिनों की क्लास मिस करते हैं तो आपकी पढ़ाई दो सप्ताह पीछे जा सकती है। संदीप ने बताया था कि वो जब से कोटा आए हैं, वो एक बार भी घर नहीं जा पाए। संदीप अप्रैल में कोटा आए थे। बिहार के मोतिहारी के 17 साल के अनिमेष कुमार भी व्यस्त क्लास शेड्यूल के बारे में बताते हैं। अनिमेष नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट की दूसरी बार तैयारी कर रहे हैं। अनिमेष का कहना है कि ये एक दुष्चक्र है। व्यस्त क्लास के बीच तालमेल बिठाने में छात्र फंस जाता है और खुद को दोष देता है और तनाव में चला जाता है।

अनिमेष ने आगे कहा कि 'पढ़ाई का तनाव रियल है। जब एक छात्र चीजों के साथ तालमेल बिठाने में फेल हो जाता है और छूटे हुए लेक्चर का बैगलॉग बढ़ता जाता है। ऐसे में छात्र अपने पढ़ाई के तरीके को दोष देता है और डिप्रेशन में चला जाता है। एक अन्य छात्र अफजल के अनुसार मां-बाप का पढ़ाई में लगाया पैसा बेकार न चला जाए, ऐसे में छात्र और तनाव में रहने लगते हैं। अफजल ने बताया कि 'मैंने सोचा था कि यहां आने के बाद मैं अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान दूंगा लेकिन यह पूरी तरह से एक अलग दुनिया है। अब न केवल मुझे खुद सब कुछ मैनेज करना पड़ता है बल्कि मैं यह भी सोचता रहता हूं कि मेरे माता-पिता ने पैसा लगाया है और अगर मैं देने में असमर्थ रहा तो क्या होगा।'

नाम नहीं बताने की शर्त पर एक छात्र ने बताते है कि दो छात्र दोस्त होने के बावजूद एक दूसरे से कॉम्पिटिशन करते हैं। सबमें यही भावना होती है कि कॉम्पिटिशन एक ही सीट के लिए है और यही भावना बच्चों में होमसिकनेस और अवसाद को जन्म देती है।

कोटा में लगभग दो लाख बच्चे कोचिंग संस्थानों में पढ़ रहे हैं। जिसमें से कम से कम 14 छात्रों ने इस साल सुसाइड कर लिया। पिछले सप्ताह आत्महत्या करने वाले तीन छात्रों में से दो छात्र बिहार के थे। अंकुश आनंद (18) नीट और उज्ज्वल कुमार (17) जेईई की तैयारी कर रहा था। दोनों एक पीजी के कमरे में रहते थे, जहां उन्होंने पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। तीसरा छात्र प्रणव वर्मा मध्यप्रदेश का रहने वाला था, जिसने जहर खाकर जान दे दी। 2021 में किसी भी छात्र की आत्महत्या की सूचना नहीं मिली थी। कोरोना के कारण कोचिंग सेंटर बंद थे। छात्रों ने अपने घरों से ऑनलाइन क्लास के जरिए पढ़ाई की थी। 2019 में 18 और 2020 में 20 छात्रों ने अपनी जान दे दी।

इकबाल के चाचा आसिफ ने बताया कि 27 अप्रैल की रात को उसकी अपने परिवार से बातचीत हुई थी। उस दौरान इकबाल ने बताया कि वह पढ़ाई कर रहा है और बाद में बात करेगा। परिवार को जरा भी अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा कदम उठा लेगा। उसी रात उसने कमरे में फांसी का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इकबाल ने आत्महत्या क्यों की। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और उसके परिजनों से भी पूछताछ जारी है। परिजन इस दुखद घटना से पूरी तरह स्तब्ध हैं।

प्रशासन और कोचिंग संस्थान छात्रों पर बढ़ते मानसिक दबाव को कम करने के लिए प्रयासरत हैं। हॉस्टल्स में एंटी हैंगिंग डिवाइस लगाए गए हैं और छात्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराया गया है। अगर आप या आपके जानने वाले किसी भी प्रकार के तनाव से गुजर रहे हैं तो आप समाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय के हेल्पलाइन नंबर 1800-599-0019 या आसरा NGO के हेल्पलाइन नंबर 91-22-27546669 पर संपर्क करें। बावजूद इसके, आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पाया है। इस बढ़ते संकट ने अभिभावकों को कोटा भेजने से पहले कई बार सोचने पर मजबूर कर दिया है।

# स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा



-रमेश सर्राफ धमोरा

## 7 अप्रैल विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है। भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बड़ी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।

भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीड़ित लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करोड़ भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है, ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं।

देश के ग्रामीण अंचल में जब तक सही व समुचित स्वास्थ्य सेवाऐं उपलब्ध नहीं हो पायेगी तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य की योजना पूरी नहीं हागी। आज देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की स्थिति बड़ी भयावह है। आये दिन समाचार पढ? को मिलते हैं कि एम्बुलेन्स के अभाव में मृतक को साईकिल पर बांधकर घर तक लाना पड़ता है। गांवो में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में लोगों को तांत्रिको के चक्कर लगाते देखा जा सकता है। निजी चिकित्सक भी कमाई के चक्कर में शहरों में ही काम करना पसन्द करते हैं। जब तक गांवो की तरफ ध्यान नहीं दिया जायेगा तब तक भारत में सबको स्वास्थ्य का सपना पूरा नहीं हो पायेगा।

# कांग्रेस अपने इस नेता को क्यों शक की नजर से देखती है



-अजय कुमार

क्या कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं। यह सवाल इस लिये उठ रहा है क्योंकि थरूर कई बार पार्टी की लाइन से हटकर बयान दे रहे हैं। कांग्रेस में जब अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ थो तो भी शशि थरूर ने गांधी परिवार की नाराजगी की चिंता किये बिना कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ चुनाव मैदान में ताल ठोकी थी,यह बात गांधी परिवार को काफी बुरी थी लगी थी,इसी लिये कांग्रेस में थरूर को अब शक की नजर से देखा जाता है।

खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके रिश्ते कुछ ज्यादा ही मिठास भरे नजर आ रहे हैं। जब भी दोनों नेता कहीं मिलते हैं या लोकसभा में आमना-सामना होता है भी अक्सर प्रधानमंत्री मोदी इस दिग्गज कांग्रेस नेता को सम्बोधित करते नजर आते हैं। ऐसा ही कुछ केरल के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान देखने को मिला जब जब सांसद शशि थरूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ही मंच पर दिखाई दिए। दोनों ने एक-दूसरे गरम जोशी से स्वागत किया। इस दृश्य ने न केवल स्थानीय राजनीति को बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की नींदें उड़ा दीं। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी का व्यंग्यात्मक अंदाज, दूसरी ओर थरूर की सहज आत्मीयता, इस पूरे प्रसंग को सामान्य शिष्टाचार से कहीं ज्यादा बड़ा राजनीतिक संकेत बना गई। गौरतलब हो शशि थरूर कोई साधारण सांसद नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव, संयुक्त राष्ट्र में लंबी सेवा, शानदार वक्तृत्व कला और साहित्यिक पृष्ठभूमि उन्हें एक ऐसा राजनेता बनाती है जो भीड़ में अलग दिखते हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी के भीतर उनका व्यक्तित्व अक्सर असहजता पैदा करता रहा है। उनके स्पष्ट विचार, खुले मंचों पर सरकार की तारीफ और खुद को पार्टी लाइन से ऊपर रखने की प्रवृत्ति उन्हें अक्सर ह्यअपनोंह्न के बीच ही अजनबी बना देती है। विझिंजम पोर्ट कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी तो एक सांसद की भूमिका के तहत थी, लेकिन जिस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री से गर्मजोशी से हाथ मिलाया, तस्वीरें साझा कीं और फिर सोशल मीडिया पर गर्व के साथ लिखा कि उन्हें इस परियोजना से शुरू से जुड़ने का सौभाग्य मिला है यह सब कुछ कांग्रेस को चुभने के लिए काफी था। राजनीति में जो चीजें नजर आती हैं, वे उतनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, जितनी कि उनके पीछे छिपे संदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कला के उस्ताद हैं। मंच से उन्होंने व्यंग्य के लहजे में कहा कि यह आयोजन कई लोगों की नींद हराम कर देगा। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके संकेत स्पष्ट थे। राहुल गांधी, जो अक्सर प्रधानमंत्री की विदेश नीति और नेतृत्व शैली की कटु आलोचना करते हैं, वहीं उनके ही पार्टी सहयोगी थरूर मंच पर खड़े होकर इस ऐतिहासिक क्षण में प्रधानमंत्री का समर्थन करते दिखे। यह विरोधाभास कांग्रेस के लिए एक सियासी संकट बनता जा रहा है।

शशि थरूर की प्रधानमंत्री मोदी के साथ बढ़ती सार्वजनिक नजदीकियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत की नीति की सराहना कर चुके हैं। थरूर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने पहले इस नीति की आलोचना की थी लेकिन बाद में यह मानना पड़ा कि मोदी सरकार ने कूटनीतिक संतुलन बेहतरीन तरीके से साधा। उन्होंने यहां तक कहा कि जब प्रधानमंत्री ने दो सप्ताह के भीतर रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपतियों से मुलाकात की और दोनों ने भारत को सम्मान दिया, तो वह क्षण गर्व का था। यह बयान कांग्रेस की आधिकारिक विदेश नीति आलोचना के बिल्कुल विपरीत था।

भाजपा को थरूर के इस बदले रुख में संभावनाएं दिख रही हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने तंज कसा कि प्रधानमंत्री को अब नए आलोचकों की जरूरत है क्योंकि पुराने अब उनके प्रशंसक बनते जा रहे हैं। एक और भाजपा नेता बैजयंत जय पांडा ने शशि थरूर के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा था कि वे और थरूर अब एक ही दिशा में यात्रा कर रहे हैं। शशि थरूर ने इस पर हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया दी लेकिन यह संकेत कई लोगों के लिए बहुत गंभीर था।

थरूर की यह छवि कांग्रेस के भीतर लगातार चर्चा का विषय रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता भले सार्वजनिक रूप से कुछ न कहें, लेकिन निजी तौर पर यह चिंता जरूर जताई जाती रही है कि थरूर अपनी स्वतंत्र सोच को पार्टी लाइन से ऊपर रख रहे हैं। जब हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद खुफिया तंत्र की आलोचना हो रही थी, तब थरूर ने कहा कि किसी देश की खुफिया एजेंसी सौ फीसदी प्रभावी नहीं हो सकती और उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी चूक होती है। इस बयान पर कांग्रेस के ही नेता उदित राज ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि थरूर भाजपा सरकार का बचाव कर रहे हैं, जबकि वे विपक्ष में हैं।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में तिरुवनंतपुरम से थरूर की जीत ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को हराया और भाजपा ने हार के बावजूद चंद्रशेखर को केरल का नेतृत्व सौंपा। इससे यह साफ है कि भाजपा थरूर को एक गंभीर प्रतिद्वंद्वी मानती है और उन्हें अपने पक्ष में करने की हर संभावित रणनीति पर काम कर रही है। वहीं थरूर की रणनीति भी अब खुलकर सामने आ रही है वे यह दर्शा रहे हैं कि वे राष्ट्रहित में किसी की भी प्रशंसा करने से पीछे नहीं हटते, चाहे वह प्रधानमंत्री मोदी ही क्यों न हों।

यह घटनाक्रम सिर्फ एक राजनीतिक समीकरण नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व संकट का भी संकेत देता है। थरूर जैसे नेता, जो लोकप्रिय हैं, मीडिया में प्रभावी हैं, वैश्विक सोच रखते हैं, वे पार्टी में हाशिए पर क्यों हैं? यह सवाल कांग्रेस को खुद से पूछना होगा। खुद थरूर ने फरवरी 2025 में कहा था कि अगर कांग्रेस को मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे पास भी विकल्प हैं। यह बयान हल्का नहीं था, यह एक चेतावनी थी।

भारतीय राजनीति अब तेजी से बदल रही है। विचारधारा से अधिक व्यक्ति का प्रभाव, चेहरे की पहचान और राष्ट्रहित में उठाए गए कदमों की अहमियत बढ़ गई है। ऐसे में थरूर जैसे नेता, जो बौद्धिक और व्यावहारिक राजनीति का मेल हैं, उन्हें लंबे समय तक पार्टी की आंतरिक राजनीति में उलझाकर नहीं रखा जा सकता। अगर कांग्रेस उन्हें अपना नहीं बना पाती, तो अन्य विकल्पों के लिए रास्ते खुले हैं।

विझिंजम पोर्ट पर मंच साझा करना महज शिष्टाचार नहीं था। यह एक राजनीतिक संदेश था थरूर की तरफ से भी और प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से भी। एक तरफ भाजपा केरल में जमीन तलाश रही है, दूसरी ओर थरूर दिल्ली में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि शशि थरूर कांग्रेस के भीतर रहकर ही पार्टी के कायाकल्प की उम्मीद रखते हैं या फिर उन्हें कोई नई राजनीतिक राह बुला रही है।

## घाटकोपर में दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट स्पर्धा संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** घाटकोपर में जय संतोषी माता प्रीमियर लीग पर्व २ की ओर से दो दिवसीय क्रिकेट टूनार्मेंट स्पर्धा संपन्न हुई। स्पर्धा में जीएसएम प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट टूनार्मेंट में जय संतोषी माता प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट टूनार्मेंट में कृतिक इलेवन ने फाइनल मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की। उपविजेता राजे इलेवन रही।, जबकि श्रीशा वारियर्स टीम को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। बता दें कि जय संतोषी माता प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन शनिवार, 3 मई से रविवार, 4 मई तक दो दिनों के लिए जय संतोषी माता एसआरए सोसाइटी में आयोजित किया गया था। इस टूनार्मेंट में कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मैच स्पर्धा दो टीमों, कृतिक इलेवन और राजे इलेवन के बीच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए कृतिक इलेवन टीम ने चार ओवर में 28 रन बनाए। इस टीम के राहुल भगत ने 18 रन बनाए, जिससे टीम 24 गेंदों में 28 रन बनाने में सफल रही। उपविजेता टीम राजे इलेवन 26 रन पर आउट हो गई। राजे इलेवन की ओर से राजू खाटू ने मात्र 15 रन बनाए। विलास गोले, राजू खाटू और प्रतीक केसरकर टूनार्मेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। विजेता टीम, कृतिक इलेवन को मनसे उप-विभाग अध्यक्ष संदेश मोरे और भाजपा वार्ड अध्यक्ष गणेश भगत द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया गया।

## रूपेश भोईर महाराष्ट्र रिक्षा-टॅक्सी सेना के शहर कार्याध्यक्ष नियुक्त

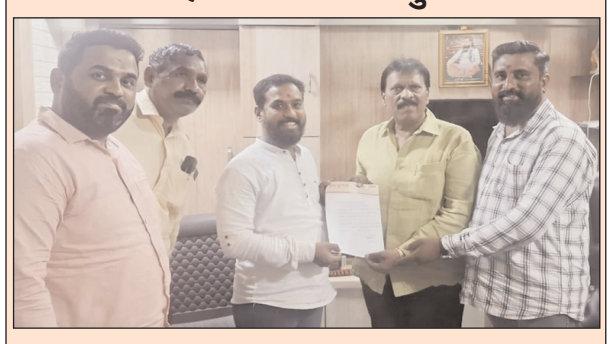

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** शिवसेना ( उद्धव बाळासाहेब ठाकरे ) के कल्याण शहर संगठक रूपेश भोईर को महाराष्ट्र रिक्षा-टॅक्सी सेना के कल्याण शहर कार्याध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है. महाराष्ट्र रिक्षा-टॅक्सी सेना के ठाणे जिलाध्यक्ष और पूर्व महापौर रमेश जाधव ने रविवार को भोईर को नियुक्ति पत्र दिया। विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक और आरोग्य क्षेत्र में कार्यरत रूपेश भोईर ने समय समय पर रिक्षा- टैक्सी चालकों की समस्याओं को हल किया है। इसके अलावा कल्याण ( प ) के रेलवे की हद में बंद हो चुके रिक्षा स्टैन्ड को भी दुबारा शुरू करवाया । रूपेश भोईर के बारे में बोलते हुए रमेश जाधव ने कहा कि भोईर के कार्यों को देखकर ही उन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र देते समय रिक्षा टैक्सी सेना के महासचिव गोपाल नवगिरे सहित अन्य शिवसैनिक उपस्थित थे। अपनी नियुक्ति के बारे में बोलते हुए रूपेश भोईर ने कहा कि रिक्षा टैक्सी चालकों की हर समस्या का हल करने की कोशिश करूँगा । भोईर की नियुक्ति पर शिवसेना वाहतुक सेना के शहर अध्यक्ष निलेश भोर ने शुभकामनाएं दी हैं ।

## सैमसंग के फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात दें, गैजेट्स और उपकरणों पर भारी छूट

**मुंबई/पटना।** भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग एक बार फिर अपनी ब्लॉकबस्टर सेल- फैब ग्रैब फेस्ट के साथ गर्मी को मात देने के लिए तैयार है। 1 मई से शुरू होने वाली इस बहुप्रतीक्षित सेल में सैमसंग के आधुनिक उत्पादों की व्यापक रेंज पर शानदार, सीमित समय के लिए डील्स मिलेंगी। ये डील्स विशेष रूप से Samsung.com, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। सेल की शुरूआत के साथ, ग्राहक सैमसंग गैलेक्सी S, गैलेक्सी Z, और गैलेक्सी A सीरीज के चुनिंदा स्मार्टफोन मॉडलों पर 41% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। चाहे लेटेस्ट फोल्डेबल हों या पावरफुल कैमरा वाले मॉडल, हर टेक प्रेमी के लिए इस सेल में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा। इसके अलावा, चुनिंदा गैलेक्सी टैबलेट, एक्सेसरीज और वियरेबल्स पर 50% तक की छूट उपलब्ध होगी, जो आपके गैलेक्सी इकोसिस्टम को पूरा करने का सही समय है।

## एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड ने हर उतार-चढ़ाव में बेहतर प्रदर्शन किया

**मुंबई/पटना।** एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड एक डायनामिक इक्विटी फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इस फंड ने पिछले 30 वर्षों में बाजार के कई उतार-चढ़ावों के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया है। फंड की शुरूआत 1 जनवरी 1995 को हुई थी और इसका अब तक का औसत वार्षिक रिटर्न : 18.82% (31 मार्च 2025 तक) रहा है। इस तरह फंड की शुरूआत के दौरान निवेश किए गए 1 लाख की आज की वैल्यू: 1.84 करोड़ हो गई है। फंड ने Nifty 500 TRI से 1.51 करोड़ अधिक रिटर्न दिया है। इसके अलावा, शुरूआत से हर महीने के पहले कारोबारी दिन मासिक निवेश किए गए ?10,000 की एक व्यवस्थित निवेश योजना (कुल निवेश ?36.20 लाख) की रकम 31 मार्च, 2025 तक लगभग 20.24 करोड़ हो गई होगी।

पिछले तीन दशकों में एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड ने बाजार के कई उतार-चढ़ावों का सफलतापूर्वक सामना किया है, और अपनी मजबूत निवेश रणनीति को बार-बार सिद्ध किया है। यह रणनीति उच्च गुणवत्ता वाली, मजबूत बुनियादी संरचना वाली कंपनियों और दीर्घकालिक विकास क्षमता पर केंद्रित रही है। अच्छी कंपनियों की पहचान, उचित मूल्यांकन और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के चलते यह फंड निवेशकों के बीच एक भरोसेमंद विकल्प बन चुका है। फंड की निवेश रणनीति बॉटम-अप पद्धति पर आधारित है, जिसमें ग्रोथ की संभावना रखने वाली कंपनियों को उचित मूल्य पर चुना जाता है। किसी भी कंपनी में निवेश से पहले उस सेक्टर की स्थिति, उद्योग चक्र और कंपनी की भूमिका का गहराई से मूल्यांकन किया जाता है, जिसके आधार पर रिस्क-एडजस्टेड पोर्टफोलियो पोजिशन बनाई जाती है।

# शाश्वत सनातन न्यास ने डॉ. रविंद्र मिश्रा को किया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

**मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** सनातन संस्कृति और भारतीय मूल्यों की स्थापना हेतु समर्पित संगठन श्शाश्वत सनातन न्यासश्र द्वारा एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए डॉ. श्री रविंद्र मिश्रा को संगठन का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति अनंतश्री विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी देवस्वरूपानन्द सरस्वती (श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी,) के आदेशानुसार और अन्य संतों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस विशेष अवसर पर देश के प्रमुख संत एकत्र हुए और डॉ. मिश्रा को भगवा साल पहनाकर दायित्व सौंपा। इस समारोह में डॉ. मिश्रा के माता-पिता और सभी संतों ने एकत्रित होकर अक्षत और कुकु से उनका तिलक किया, इसके बाद उन्हें भगवा पट्टा सौंपा गया, जो कि एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का हिस्सा है। इस अवसर पर अनंतश्री विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी देवस्वरू पानन्द सरस्वती श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी, डॉ. स्वामी श्री परमहंस गिरी जी श्री निरंजनी पंचायती अखाड़ा, हरिद्वार, पंकज गिरी जी महाराज श्री निरंजनी अखाड़ा, हरिद्वार, परमपूज्य दिगंबर सत्यगिरी जी श्री पंच शंभु अटल अखाड़ा, डॉ. श्री योगी विजेंद्र नाथ झ्र महाकाल अखाड़ा, आचार्य शिवप्रीति माँ झ्र योग गुरु, प्रेरक वक्ता एवं कथा व्यास, इंदौर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इन सभी संतों ने संयुक्त रूप से भगवा साल अर्पित किया और डॉ. मिश्रा को शुभाशीर्वाद देते हुए नवदायित्व के लिए प्रेरित किया। डॉ. मिश्रा शिक्षा, विधि, पत्रकारिता, समाजसेवा और अध्यात्म जैसे विविध क्षेत्रों में वर्षों से सक्रिय हैं। वे वर्तमान में श्राष्ट्रीय मानवाधिकार एवम् महिला बाल

विकास आयोगश्र के मुख्य महासचिव, श्भारतीय प्रेस आयोगश्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष, तथा श्शाश्वत सनातन न्यासश्र के संयोजक भी हैं। इसके अतिरिक्त वे योग प्रमाणन बोर्ड, आयुष मंत्रालय से भी जुड़े हुए हैं। उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदृष्टि और सनातन धर्म के प्रति समर्पण को देखते हुए संत समाज ने सर्वसम्मति से उन्हें यह पद सौंपा। उनकी नियुक्ति से यह संदेश गया है कि धर्म आधारित संगठन में अब कर्मठ, शिक्षित और राष्ट्रवादी नेतृत्व को प्राथमिकता दी जा रही है।

शाश्वत सनातन न्यासः उद्देश्य और कार्य श्शाश्वत सनातन न्यासश्र का गठन सनातन धर्म, गौसंरक्षण, पर्यावरण, संत-संरक्षण, तीर्थ-सेवा, वैदिक शिक्षा, और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु किया गया है। यह न्यास संतों के मार्गदर्शन में कार्य करता है, तथा युवाओं को अध्यात्म एवं सामाजिक कार्यों से जोड़ने का माध्यम बनता है।

न्यास का उद्देश्य हैः भारत के प्राचीन सनातन मूल्यों की पुनर्स्थापना, संत समाज की सामाजिक-राष्ट्र निर्माण भूमिका को मजबूत करना, गौशालाओं का संरक्षण, निर्माण व संचालन, धर्म आधारित शिक्षा, शोध व सेवा योजनाओं का संचालन, अखिल भारतीय स्तर पर संत-युवाओं का समन्वय, संत समाज का संदेशः श्सनातन धर्म ही भारत की आत्मा है इस अवसर पर बोलते हुए महामंडलेश्वर स्वामी देवस्वरूपानन्द सरस्वती ने कहा, डॉ. मिश्रा जैसे तपस्वी कर्मयोगी को यह दायित्व सौंपना हमारे लिए संतोष की बात है। वे वर्षों से समाज और धर्म के लिए सक्रिय हैं। हम उन्हें आशीर्वाद देते हैं कि वे सनातन की ज्योति को जन-जन तक पहुंचाएं।ह्व स्वामी परमहंस गिरी जी ने कहा कि ह्वआज का भारत केवल आधुनिकता से नहीं, परंपरा से भी सशक्त होगा। और यह तभी संभव है जब ऐसे नेतृत्व खड़े हों जो दोनों को जोड़ सकें।ह्व डॉ. योगी विजेंद्र नाथ ने कहा कि श्सनातन धर्म को केवल पूजा-पद्धति न समझा जाए, यह जीने की एक गहन और वैज्ञानिक पद्धति है जो मानवता को जोड़ती है।श्र डॉ. रविंद्र मिश्रा की नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक-सामाजिक आंदोलन की शुरूआत है। संतों की छाया में, और राष्ट्रधर्म के पथ पर, यह न्यास आने वाले वर्षों में सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## आजाद इंजीनियरिंग का अतिरिक्त दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंध

**मुंबई।** प्रेसिजन इंजीनियरिंग में प्रमुख वैश्विक नेता आजाद इंजीनियरिंग ने जीई वनोर्वा की स्टीम पावर सर्विसेज बिजनेस यूनिट के साथ एक अतिरिक्त दीर्घकालिक आपूर्ति अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। 53.5 मिलियन डॉलर का यह अनुबंध 2030 तक छह साल की अवधि पर आधारित होगा।

आजाद इंजीनियरिंग की 7,600 वर्ग मीटर लीन विनिर्माण सुविधा के हालिया उद्घाटन के बाद यह अतिरिक्त अनुबंध कंपनी के लिए महत्वपूर्ण सफलता है, जो तुनिकिबोलरम, हैदराबाद (भारत) में आजाद इंजीनियरिंग की आयतन क्षमता दायित्वों को पूरा करने के लिए समर्पित है।

इस अनुबंध के अंतर्गत आजाद इंजीनियरिंग उन्नत परमाणु, औद्योगिक और थर्मल पावर उद्योगों के लिए अत्यधिक इंजीनियरिंगयुक्त और जटिल घूर्णन और स्थिर एयरफोइल का निर्माण तथा आपूर्ति करेगी। इस उपलब्धि से जीई वनोर्वा की स्टीम पावर सर्विसेज बिजनेस यूनिट के साथ आजाद इंजीनियरिंग के मौजूदा रणनीतिक दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत होगी, जिससे कंपनी अपने उन्नत टरबाइन सिस्टम और आवश्यक उद्योगों के लिए उच्च प्रदर्शन कलपुर्जे/ प्रणालियों के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित होगी।

आजाद इंजीनियरिंग के चेयरमैन और सीईओ राकेश चोपदार ने अपने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, श्जीई वनोर्वा की स्टीम पावर सर्विसेज बिजनेस यूनिट के साथ $ 53.5 मिलियन का अतिरिक्त दीर्घकालिक अनुबंध 2013 से जारी हमारे रणनीतिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

# निर्दोष पर्यटकों की मौत को लेकर शाहू तेली समाज का मूक मोर्चा

## कश्मीर में आतंकी हमले में निर्दोष 26 लोगो की हुई थी मौत

**डोंबिवली (उत्तरशक्ति)।** कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत हो गई है, जिसमें डोंबिवली में रहने वाले तीन पर्यटक भी शामिल थे। इस घटना के विरोध में देशभर के नागरिकों में तीव्र आक्रोश देखा जा रहा है। इसी कड़ी में डोंबिवली में साहू तेली समाज वेल्फेयर सेवा संस्था की ओर से पहलगाम हमले के विरोध में एक मूक मोर्चा निकाला गया। यह मूक मोर्चा डोंबिवली पश्चिम के सम्राट चौक से शुरू होकर दीनदयाल रोड होते हुए भाग शाला मैदान तक निकाला गया। साहू तेली समाज की ओर से इस मोर्चे के माध्यम से आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई। मोर्चे में समाज की महिलाओं और पुरुषों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर पहलगाम हमले का तीव्र विरोध किया। इस मूक मोर्चे में संस्था के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अशोक गुप्ता,कार्याध्यक्ष

शिवलाल साहु समाज सेवक सुनील गुप्ता,राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र नवल तेली,सचिव संजीव गुप्ता,डोंबिवली शहर अध्यक्ष राजु प्रसाद गुप्ता,थाना जिला महीला अध्यक्ष मीना गुप्ता ,डोबिवली महीला अध्यक्ष मुन्नी गुप्ता,संगीता गुप्ता,आरती गुप्ता कुसुम गुप्ता, एकनाथ चौधरी टीएन चौधरी, युवा प्रतीष्ठान के कार्याध्यक्ष अभय दुबे सहित सैकड़ो की संख्या में उपस्थित रहकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई।

## दिवानशाह बेघर निवारा केन्द्र के समन्वयक खान फखरे आलम के जन्मदिन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी कल्याण रोड टेमघर स्थित वरदान प्लाजा बिल्डिंग ?स्थित दिवानशाह बेघर निवारा केंद्र पर केन्द्र के समन्वयक खान फखरे आलम व खेल प्रशिक्षक विनोद नाईक के जन्मदिन के अवसर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बतादें कि दिवानशाह बेघर निवारा केन्द्र के संचालक संजय कुलकर्णी के मार्गदर्शन पर व्यवस्थापक राजेश जनार्दन मोरे के नेतृत्व में बेघर निवारा केन्द्र में रह रहे करीब 50 बेसहारा बुजुर्ग महिला/पुरुष के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक गीतों का कार्यक्रम किया गया । मुख्य गायकों में जैनू भाई व कराटे मास्टर सैफन पठान ने लोगों

को मंत्रमुग्ध कर दिया । ज्ञात हो कि खान फखरे आलम का नाम शहर में पत्रकारिता के साथ समाज सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वालों में लिया जाता है । विनोद नाईक व खान फखरे आलम को शुभकामना देने वालों में विनोद नाईक के टीम के बच्चों व बच्चियों की उपस्थिति थी वहीं खान फखरे आलम के शुभचिंतकों में आचार्य सूरजपाल यादव , जाविर अंसारी , अनीस सिद्दीकी , ताबिश फखरे आलम खाम , अबूजर खान , खान इकबाल हुसैन आदि लोगों के साथ असंख्य महिलाओं ने केक खिलाकर शाल पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया । खान फखरे आलम व विनोद नाईक ने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया ।

## ओपन स्पीड स्केटिंग चॅम्पियनशिप 2025 का बोरीवली में हुआ आयोजन

**बोरीवली (उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र यूथ स्पोर्ट्स असोसिएशन व पार्थ स्पोर्ट्स इंडिया फाउंडेशन द्वारा ओपन स्पीड स्केटिंग चॅम्पियनशिप 2025 का आयोजन मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स क्लब, महावीर नगर, बोरिवली(पश्चिम) में किया गया । इस चॅम्पियनशिप का आयोजन मेरा युवा भारत व नेहरू युवा केंद्र संगठन, महाराष्ट्र-गोवा (युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के मार्गदर्शन व सहकार्य से सुचारू रूप से किया गया था,जिसके भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराते हुए आयोजन को गरिमा प्रदान की। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित करने के साथ-साथ वहां उपस्थित सभी खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों तथा उत्साही दर्शकों को संबोधित भी किया।

बता दें कि सम्पूर्ण महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में उत्साह के साथ सहभाग लिया था। इस चॅम्पियनशिप में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन व पुरस्कार प्रदान करने हेतु उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद, जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ नेहरू युवा केंद्र संगठन, महाराष्ट्र-गोवा के राज्य संचालक प्रकाश कुमार मनुरे, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर भारत अभियान के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष राम कुमार पाल,जिला युवा पुरस्कार (महाराष्ट्र शासन) पुरस्कृत आशुतोष पांडे की उपस्थिति उल्लेखनीय है ।

इस चॅम्पियनशिप का संचालन व आयोजन पार्थ स्पोर्ट्स इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक वरुण श्रीकर द्वारा बेहद प्रभावशाली तरीके से किया गया। दिव्यांगजन खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस चॅम्पियनशिप को और भी प्रेरणादायी और विशेष बना दिया ।

## पालघर में महाराष्ट्र दिवस पर बौद्ध समाज सांस्कृतिक कला महोत्सव का भव्य आयोजन

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** महाराष्ट्र दिवस के पावन अवसर पर हितेश फाउंडेशन पालघर तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विचार मंच पालघर के संयुक्त तत्वावधान में बौद्ध समाज सांस्कृतिक कला महोत्सव 2025 का आयोजन अत्यंत उत्साह और भव्यता के साथ किया गया। यह आयोजन महात्मा ज्योतिबा फुले और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की संयुक्त जयंती के उपलक्ष्य में ठाणे जिल्हा मच्छीमार संघ सभागृह, पालघर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत पालघर व डहाणू तहसीलों से आए समाजबांधवों के लिए महापुरुषों के जीवन पर आधारित समूह नृत्य और गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। साथ ही शिक्षा, खेल और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिसमें प्रा. डॉ. किसन साखरे, प्रा. डॉ. भीमराव बनसोडे, प्रा. डॉ. शीला राजकुमार पाईकराव, ई.एन.टी. सर्जन डॉ. विविधा भोणे, राष्ट्रीय स्तर की कराटे स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता कु. प्रशिल जाधव व अन्य समाजसेवियों को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महापुरुषों की प्रतिमाओं के पूजन से हुई, जिसके बाद एडवण गांव के प्रसिद्ध विष्णू राऊत ग्रुप के विशाल भोणे व उनके साथियों ने जय जय महाराष्ट्रश्र राज्यगीत प्रस्तुत कर माहौल देशभक्ति से भर दिया।

इस अवसर पर सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने भाषण में बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता का श्रेय संविधान को जाता है। कार्यक्रम में पालघर के विधायक और पूर्व मंत्री राजेंद्र गावित ने शुभेच्छा भेंट दी और पूर्व लोकपाल छबिलदास गायकवाड ने माझं संविधान, माझा अभिमान कार्यक्रम के तहत संविधान पर सरल भाषा में मार्गदर्शन किया।

## पाकिस्तान को करारा जवाब दे सरकार : सुनील कुमार सिंह राठौड़

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए बर्बर आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। आतंकवादियों ने धार्मिक पहचान पूछकर निर्दोष लोगों को गोलियों से भून दिया, जिससे न केवल मानवता शर्मसार हुई, बल्कि देशभर में गहरा आक्रोश भी फैल गया। इस अमानवीय कृत्य की हर ओर निंदा हो रही है, और एक स्वर में देशवासी आतंक के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस हमले के बाद केंद्र सरकार हरकत में आ गई है और आतंकवाद को संरक्षण देने वाले मुल्क पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने की तैयारी कर रही है। इस बार पूरा देश एकजुट नजर आ रहा है। सत्तापक्ष ही नहीं, विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया है। इसी संदर्भ में महाराष्ट्र के सामाजिक कार्यकर्ता गणेश भगवान आंधले ने नमो नमो मोर्चा के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष एवं वर्ल्ड ह्यूमन राइट्स काउंसिल (डबल्यूएचआरसी) के उपाध्यक्ष, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील कुमार सिंह राठौड़ से विशेष बातचीत की। उन्होंने पहलगाम में हुई आतंकी वारदात पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ

सरकार और न्यायपालिका से सख़्त रुख अपनाने की मांग करते हुए कहा, अब बहुत हो चुका है। जो देश के जवानों की शहादत का मजाक उड़ाते हैं, उन्हें जीने का कोई हक नहीं। आतंकवादियों को जेल नहीं, सीधा फाँसी पर लटकाया जाना चाहिए।

सुनील सिंह राठौड़ ने पाकिस्तान पर भी तीखा हमला बोला और उसे आतंकवाद की फैक्ट्री बताया। उन्होंने कहा कि ह्वपाकिस्तान ने कभी भी भारत के खिलाफ साज़िशें रुकने नहीं दीं। हमारे धैर्य की परीक्षा अब बंद होनी चाहिए। हमें पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना होगा। उन्होंने भारतीय न्याय व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। कोर्ट में सालों-साल केस चलते हैं, आतंकवादी जेलों में मौज करते हैं और हमारे जवान शहीद हो जाते हैं। इस दोहरे मानदंड को खत्म करना होगा,ह्व राठौड़ ने कहा। उन्होंने विशेष आतंकवाद विरोधी कानून और फास्ट-ट्रैक कोर्ट की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की कार्यशैली की सराहना करते हुए राठौड़ ने कहा, हमें मोदी-शाह जैसे निर्णायक नेता मिले हैं, अब उनकी नीतियों को और मजबूती से लागू करना होगा। देश की सुरक्षा सर्वोपरि है।

हिंदुस्तान की भूमि पर आतंकियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए।ह्व उन्होंने यह भी कहा कि ह्वदेश को अब एक ऐसा सिस्टम चाहिए जिसमें धर्म और जाति के नाम पर आतंकियों को कोई राहत न मिले। देशभक्तों की जुबान बंद नहीं होनी चाहिए, बल्कि आतंकियों का अंत होना चाहिए।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# एक राष्ट्र, एक चुनाव सिर्फ चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि यह भारत की जरूरत हैः ए के शर्मा

*** लॉ कमीशन ने भी वर्ष 1999 में वन नेशन, वन इलेक्शन की वकालत की थी: गिरीश यादव**
*** भारत में 1951 से 1967 तक विधानसभा और लोकसभा के लिए चुनाव एक साथ होते थे: पुष्पराज सिंह**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।एक राष्ट्र एक चुनाव के विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय के परिसर में संपन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री ए के शर्मा उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह ने किया और कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ए के शर्मा, गिरीश यादव, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह एव जन प्रतिनिधि द्वारा सयुक्त रूप से भारत माता के चित्र पर पुष्पांजली व दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इसके पहले जौनपुर आगमन के दौरान मुख्य अतिथि का कार्यकताओं ने पूरे जोश के साथ नुक्कड़ चौराहो पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ए के शर्मा ने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव सिर्फ चर्चा का विषय नहीं है।बल्कि यह भारत की जरूरत है देश में हर कुछ माह में कहीं न कहीं बड़े चुनाव होते रहते हैं इससे विकास कार्यों पर विपरीत प्रभाव तो पड़ता ही है।साथ ही बड़े पैमाने पर धन का अपव्यय भी होता है। ऐसे में इस मुद्दे पर गहन अध्ययन और मंथन आवश्यक है। एक साथ चुनाव होने से देश व राज्यों की विकास योजनाओं को रफ्तार मिलेगी। बार-बार चुनाव और उसके कारण लगने वाली आचार संहिता से विकास कार्य बाधित नहीं होंगे। इससे चुनाव पर होने वाले खर्चे की बचत भी होगी। हालांकि वन नेशन, वन इलेक्शन सभी राजनीतिक दलों में आपसी सहमति के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। क्षेत्रीय दलों के नुकसान की आशंका को खारिज करते हुए कहा कि 70 साल में मतदाता बहुत परिपक्व हो चुके हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव की बात वही कर सकता है जो एक राष्ट्र समझने की क्षमता रखता हैं और आजाद भारत के बाद यह बात सोचने की क्षमता मात्र देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के पास है। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना बहुत निंदनीय है प्रधानमंत्री मोदी इस पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि चुनाव आयोग ने पहली बार साल 1983 में इसे लेकर सुझाव दिया था लॉ कमीशन ने भी वर्ष 1999 में वन नेशन, वन इलेक्शन की वकालत की थी। दिसंबर 2015 में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव आयोजित करने के लिये संसद की स्टैंडिंग कमेटी ने एक साथ चुनाव आयोजित करने पर वैकल्पिक और व्यावहारिक तरीका अपनाने की सिफारिश की थी। 2018 में संसद की स्टैंडिग कमेटी ने भी इस मुद्दे पर रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें इसके कई फायदे गिनाए थे।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने एक राष्ट्र-एक चुनाव पर विस्तृत प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत में, राज्य विधानसभाओं और संसद के सदस्यों के चुनाव के लिए आम चुनाव अलग-अलग आयोजित किए जाते हैं, जब मौजूदा सरकार का कार्यकाल समाप्त हो जाता है या किसी कारण से भंग हो जाती है। भारत में 1951-52 से 1967 तक राज्य विधानसभाओं और लोक सभा के लिए चुनाव एक साथ होते थे। यह चक्र टूट गया और वर्तमान में चुनाव हर वर्ष और कभी-कभी एक वर्ष के भीतर अलग-अलग समय पर होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भारी सरकारी व्यय होता है।

राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी बार-बार चुनाव होने से क्षेत्रीय दलों पर अधिक आर्थिक बोझ पड़ता है। एक बार चुनाव होने से उन्हें ज्यादा आसानी होगी, करदाताओं के पैसे बचेंगे तो इन पैसों का इस्तेमाल जनता की भलाई के लिए किया जा सकेगा वन नेशन-वन इलेक्शन नई खोज नहीं है आजाद भारत का पहला लोकसभा चुनाव भी इसी तर्ज पर हुआ था। 1952, 1957, 1962 और 1967 का चुनाव इसी अवधारणा पर कराया गया था।

बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा वन नेशन वन इलेक्शन से राज्यों को बार-बार आचार संहिता का सामना नहीं करना पड़ेगा और कालेधन पर अंकुश लगेगा, ड्यूटी में तैनात होने वाले सुरक्षाबलों का समय बचेगा अभी हर चुनाव में उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजने में खतरे के साथ खर्च भी बहुत होता है।

एम एल सी बृजेश सिंह ने कहा कि चुनाव सुधार अभियान के तहत एक राष्ट्र, एक चुनाव के मुद्दे पर जनजागरण और राष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए भाजपा ने इस अभियान की शुरूआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कई अवसर पर इसकी चर्चा की है और इससे होने वाले फायदे को बताया है। इससे राजनीतिक स्थिरता आएगी।

कृपाशंकर सिंह ने कहा कि चुनावों में लगे सुरक्षा बलों और निर्वाचन अधिकारियों को लंबे समय तक अपने प्राथमिक कर्तव्यों से विमुख होना पड़ता है, आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है। उक्त अवसर पर पीयूष गुप्ता सुनील तिवारी रामसूरत मौर्या नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य, सीमा सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य पूर्व प्रधान पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य वह प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

## पत्रकारों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र मिश्रा का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया

### नन्ही बच्ची सारा सिद्दीकी ने काटा केक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा का जन्मदिन जिले के पत्रकारों द्वारा बड़े ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुमा कालोनी मुफ़्ती मोहल्ला जिला कार्यालय पर किया गया/जिसकी अध्यक्षता परिषद के जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने की।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के पत्रकारों ने भाग लिया और मिश्रा के दीघार्यु, स्वस्थ जीवन और संगठन को निरंतर दिशा देने की कामना की। वक्ताओं ने अपने संबोधन में मिश्रा द्वारा पत्रकारों के हित में किए जा रहे संघर्षों और योगदानों की सराहना की।जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने कहा कि मिश्रा न सिर्फ संगठन के मार्गदर्शक हैं।बल्कि वह पत्रकारिता जगत में एक प्रेरणास्त्रोत भी हैं। उनका नेतृत्व हम सभी के लिए गर्व का विषय है।कार्यक्रम के दौरान केक काटकर जन्मदिन मनाया गया और मिठाइयों का वितरण भी किया गया। पूरे कार्यक्रम में एक पारिवारिक और उत्सवमय माहौल रहा।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर इम्तियाज अहमद सिद्दीकी,जिला महासचिव रियाजुल हक, अनवर हुसैन,राहुल गुप्ता ,आईटी सेल प्रभारी मोहम्मद अल्ताफ,मोहम्मद हारून,नन्ही बच्ची सारा सिद्दीकी इत्यादि मौजूद रहे।

## चर्चा का विषय बनी शादी, हेली काप्टर से आएगी बारात

मिजार्पुर(उत्तरशक्ति)। मिजार्पुर, लालगंज क्षेत्र के उसरी खमरिया गांव में आज होने वाली शादी चर्चा का विषय बनी हुई है। शादी में दूल्हा हेलिकॉप्टर से बरात लेकर आएगा और छह मई को दुल्हन की विदाई भी हेलीकॉप्टर से ही की जाएगी। बता दें कि जनपद के उसरी खमरिया निवासी प्रिया तिवारी की शादी जिले के अकसौली गांव निवासी रोहित दुबे के साथ तय हुई है।दूल्हा रोहित हेलीकॉप्टर से आएगा। इसके लिए शासन से अनुमति लेने के बाद गांव में हेलिपैड का निर्माण कराया गया है। पूर्व प्रधान अमरेश चंद्र तिवारी ने बताया कि विवाह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पांच मई को दूल्हा हेलिकॉप्टर से आएगा और छह मई को दुल्हन को इसी से लेकर जाएगा।दूल्हे के दादा व पूर्व प्रधान श्याम ललित दुबे ने कहा कि आधुनिक पीढ़ी का अपना शौक है। नई सोच को परंपरा के साथ जोड़ना समय की मांग है। गांव के लोग हेलिकॉप्टर देखने के लिए उत्साहित हैं।

## आधा दर्जन लोगों ने महिलाओं को पीटा, मारपीट व ट्रैक्टर से जोताई का वीडीओ हुआ वायरल

खुटहन, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीरपालपुर गांव में सोमवार को मनबढ़ पट्टीदारों के द्वारा महिलाओं की पिटाई कर विवादित भूमि को ट्रैक्टर से जोतकर जबरन कब्जा जमा लेने का वीडीओ इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। पीड़ित महिला ने ग्यारह लोगों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर दिया है। पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

गांव निवासी संगीता देवी पत्नी पन्ना लाल का आरोप है कि उनके घर के सामने की भूमि को लेकर पट्टीदार रामजीत यादव से विवाद चला आ रहा था। सोमवार को रामजीत, महेंद्र उर्फ दरोगा, रोहित,पवन, श्रीकृष्ण यादव, राजा, सुभम,आयूष, राजनाथ यादव तथा रिंकी और पिंकी एक राय होकर लाठी डंडा के साथ घर चढ़कर भूमि में रखी भैंस के खाने की नाद,खूंटा सब उखाड़ ट्रैक्टर से जबरन जोतकर कब्जा जमाने लगे। मनाक करने पर उसे और उसकी जेठानी संगीता पत्नी गया राम यादव को पीटकर घायल कर दिए। पीड़ित पक्ष के द्वारा मामले का वीडीओ बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है। थाना प्रभारी मुन्ना राम ने बताया कि तहरीर मिली है,आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

## झोपड़ी में मशरूम की खेती कर किसान मोटा मुनाफा कमायें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में अब गरीब और छोटे किसान भी मशरूम की खेती कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उद्यान विभाग की ओर से मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजना शुरू की गई है।जिसके अंतर्गत झोपड़ी में मशरूम उगाने वालों को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह योजना खासतौर से उन लोगो के लिए फायदेमंद साबित होगी। जो सीमित संसाधनों के चलते खेती में निवेश नहीं कर पाते। इस योजना का उद्देश्य न केवल मशरूम की पैदावार बढ़ाना है।बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब एवं बेरोजगार लोगो को आय का साधन भी उपलब्ध कराना है। मशरूम उत्पादन एक ऐसी कृषि गतिविधि है।जिसे कम जगह और कम खर्च में भी शुरू किया जा सकता है। इस योजना में झोंपड़ी बनाने, बीज, खाद, उपकरण और अन्य जरूरी सामग्री खरीदने के लिए सरकार एक लाख रुपए सहायता देगी। मशरूम न केवल आय का श्रोत है बल्कि पोषण से भरपूर भी होता है। इसमें प्रोटीन, फाइबरें, बिटामिन एवं खनिज तत्व भरपूर मात्रा में पाये जाते है। जो स्वास्थ के लिए लाभकारी है। सरकार की यह पहल न केवल लोगो को रोजगार देगी बल्कि पोषण सु?क्षा की दिशा में भी एक ठोस कदम मानी जा रही है।जिला उद्यान अधिकारी डॉ.सीमा सिंह राणा ने बताया कि मशरूम की खेती से सीमित जमीन वाले किसानो और बेरोजगार युवाओं को लाभ मिलेगा। विभाग की योजना है कि ज्यादा से ज्यादा लोगो के इससे जोड़ा जाये इसके लिए गांव-गांव जा कर जागरूकता अभियान चलाया जायेंगा। बताया गया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कम लागत में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। झोपड़ी में उपयुक्त तापमान और नमी बनायें रखने पर साल भर मशरूम की फसल ली जा सकती है। इसकी बाजार में भारी मांग है, और स्वास्थ लाभों के चलते लोग इसे तेजी से अपना रहें है। बताया कि वर्तमान में लगभग 18 किसान मशरूम की खेती कर रहे हैं।

## वाराणसी के कभी पसंदीदा नेता रहे अजय राय का बयान सेना के खिलाफ, सनातन का भी किया अपमान

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।जनपद में हाल ही में कॉग्रेस नेता कॉग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने खिलौने पर नींबु मिर्चा टाँग कर राफेल का उड़ाया था मजाक जिसकी वीडियो पाकिस्तानी चैनलों पर चर्चा मे रही है जो बहुत ही दुखद है।दुश्मन देश पर हमले को लेकर लगातार विपक्ष के लोग कर रहे उल्टे सीधे ब्यान बाजी और बात की जाए युद्ध के माहौल की तो भारत की तरफ से बिना हमला किए कूटनीति से थरार्या पाकिस्तान दर दर भीख मांगने को मजबूर । युद्ध के खौफ से पाकिस्तान मे हजार रुपये किलो बिक रही सब्जी जबकि भारत पर कुछ नहीं दिख रहा असर लेकिन अगर बात की जाए देश भक्ति की भावना की तो पाकिस्तान एक मामले मे भारत से आगे क्योकि पाकिस्तान अपने देश पर मुसीबत आने पर पक्ष विपक्ष दोनों मिलकर देते है साथ और पाकिस्तान के विपक्षी नेता ने कभी सेना पर नहीं उठाया सवाल न उड़ाया मजाक.देश अभी पहलगाम हमले को भूल नहीं पा रहा दूसरी ओर नए भारत की कूटनीति को नहीं समझ पा रहे नेता और लगातार सनातन परम्परा व देश के वीर का अपमान कर रहे विपक्षी नेता जो के भारत के लिए चिंता का विषय है।

## ईसाई मिशनरी द्वारा धर्मांतरण की कोशिश, पुलिस ने दो पादरियों को किया गिरफ्तार

### विश्व हिंदू परिषद ने आरोपियों पर की सख्त कार्रवाई की मांग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यूपी के जौनपुर जिले में ईसाई मिशनरियों द्वारा कथित धर्मांतरण कराने का मामला सामने आया है। धर्मांतरण की सूचना मिलते ही थाना सुजानगंज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दो पादरियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से बाइबल की पुस्तकें भी बरामद की हैं। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम के तहत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय ग्रामसभा कुतुबपुर के निवासी खेमचंद पुत्र रामदुलार और राम नारायण पुत्र खेमचंद पर आरोप लगाया गया है कि वे ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित धर्मांतरण सभा में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया जा रहा था। हिंदू धर्म के बारे में अपमानजनक बातें कर और बीमार होने की धमकी देकर मानसिक दबाव बनाया गया। थानाध्यक्ष युजवेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो पादरियों को मौके से हिरासत में लिया और जांच शुरू कर दी है। आरोपियों के विरुद्ध धर्मांतरण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद (VHP) के जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्रा और प्रखंड अध्यक्ष शीतला प्रसाद मिश्र ने प्रशासन से मांग की है कि धर्मांतरण फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि ऐसे कृत्यों पर रोक लग सके।

## भदोही: सिर कूचकर युवक की हत्या, खेत में शव पाए जाने से क्षेत्र में मची सनसनी

भदोही (उत्तरशक्ति)। औराई कोतवाली क्षेत्र के सेऊर गांव में बीती रात एक युवक की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह नहर के किनारे खेत में उसका शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद एसपी समेत पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। फोरेंसिक और डाग स्क्वायड टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन की। अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने कुछ युवकों को पूछताछ के लिए उठाया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। सेऊर गांव के सरोज बस्ती निवासी नंदलाल सरोज के दो बेटों में शिवम कुमार सरोज (18) पिता के साथ रंगाई-पुताई का काम करता था। रविवार शाम को करीब पांच बजे वह अपनी मां प्रमिला देवी को 300 रुपये देकर कहा कि अभी आता हूं। इसके बाद रात में करीब नौ बजे वह चिकन लेकर आया और अपने चाचा मोतीलाल को देकर कहा कि अभी आता हूं। रात में दो घंटे बाद तक वह नहीं लौटा तो परिजन परेशान हो गए। सोमवार को सुबह शौच करने के लिए ग्रामीण खेतों की तरफ गए तो घोसियां के उत्तरी तरफ नहर के किनारे खेत में शिवम का शव पड़ा मिला। उसके सिर में गंभीर चोट के निशान मिले। घटनास्थल से पुलिस चौकी मात्र एक किमी दूर है। इससे पुलिस की सक्रियता पर भी लोगों ने सवाल उठाया। खबर मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शिवम की अभी शादी नहीं हुई है। घटना की खबर मिलने पर सीओ नरेश कुमार और कोतवाल राम सरीख भी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने पिता नंदलाल सरोज की तहरीर पर केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दिया। घटना को लेकर पुलिस ने कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक भी कोतवाली पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आरोपी जल्द गिरफ्तार होंगे।

## 40 किमी की अधिक रफ्तार से दौड़ाई स्कूली वैन-बस तो होगी कार्रवाई

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। यूपी में स्कूल वैन को लेकर सख्त नियम जारी हुआ है। यदि स्कूल वैन या बस चालीस किमी प्रति घंटा की रफ्तार से अधिक वाहन दौड़ाते नजर आएं तो स्कूल पर कार्रवाई होगी। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर परिवहन विभाग के पास स्कूली वाहन चालकों को निर्देश दिया है। आने वालीं शिकायतों पर सख्त रवैया अपनाया गया। आरटीओ ने विभाग के इंटरसेप्टर से स्कूली वाहनों की चेकिंग करने के निर्देश दिए इसी के साथ 40 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार पाए जाने पर स्कूलों की मान्यता रद्द करने तक की सिफारिश की जाएगी।

## भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष का हुआ भव्य स्वागत

सिधौना, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के अंतिम छोर तरवां ब्लॉक स्थित मेहनाजपुर थाना के अंतर्गत मेहनाजपुर बाजार में भारतीय जनता पार्टी भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष विधानसभा परिषद सदस्य डॉ धर्मेंद्र सिंह का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। उनके आने से भाजपा कार्य कताओं के अंदर एक उत्साह उत्पन्न हो गया। इस अवसर पर तरवां मंडल अध्यक्ष बृजेश सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, एमएलसी प्रतिनिधि तरवां अनुराग तिवारी, वैभव पांडे आमिर खान सुरेश प्रजापति अजीत सिंह, रामप्रताप यादव मंडल उपाध्यक्ष तरवां ,पंकज सिंह ,विनोद सिंह कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

## लावारिस शव इंतजामिया कमेटी ने दफन करवाया 155वां शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर में पिछले लॉकडाउन से काम कर रही लावारिस शव इंतजामिया कमेटी ने आज एक लावारिश शव को पूरे मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार पंचहटीया स्थित हजरत हम्जा चिश्ती स्थित कब्रिस्तान के दक्षिण तरफ दफन करवाया उक्त मिट्टी के बारे में प्रशासन ने बताया कि जिला अस्पताल में 21 अप्रैल को लावारिस हाल में में 108 एंबुलेंस से लाकर के भर्ती कराया गया था तब से ही वह अचेत अवस्था में था तीन दिन पहले उसकी मृत्यु होने के बाद 72 घंटे पहचान के लिए रखने के उपरांत जब उसकी पहचान ना हो सही तो मुस्लिम समुदाय का होने के कारण पोस्टमार्टम के बाद उसका आज यहां पर अंतिम संस्कार किया गया ।कमेटी यह काम निस्वार्थ भाव से पिछड़े लॉकडाउन से कर रही है अध्यक्ष रियाजुल हक ने बताया कि यह अब तक की दफन की गई मिट्टी में शामिल 155 वा शव है,उक्त मौके पर मुख्य रूप से कमेटी के उपाध्यक्ष मास्टर मेराज अहमद एवं डॉ इम्तियाज अहमद सिद्दीकी व प्रशासन से सदानंद यादव हेड कांस्टेबल और शमीम अख्तर उपस्थित रहे।

## मौसम का दिखा महातांडव! आकाशीय बिजली गिरने से हुई महिला की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत भाटाडीह गांव में रविवार की दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार भाटाडीह रामसजीवन पटेल की पत्नी शीला देवी ( उम्र 32 वर्ष) जिनके घर शादी पड़ी हुई थी। खरीदारी करने के लिए और महिलाओं के साथ बाजार जा रही थी कुछ आगे जाने पर मौसम खराब देखकर एक आम के पेड़ के पास रुक गयीं। इसी बीच तेज गरज चमक के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई और अचानक बिजली गिरने से बुरी तरह घायल हो गईं। आनन-फानन में लोग उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर ले गये जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मछलीशहर थाने की पुलिस ने आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जौनपुर भेज दिया। देर शाम पोस्मार्टम के बाद उनका शव गांव में वापस आने पर परिवारजनों की चीख-पुकार से पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। शीला देवी को एक चार वर्षीय पुत्र है।

## आपदा राहत के सन्दर्भ में कार्यशाला का हुआ आयोजन, आपदा से सम्बन्धित पुस्तक का हुआ वितरण

**सर्पदंश से मृत्यु की दशा में अवश्य कराए पोस्टमॉर्टमः जिलाधिकारी**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के महंत अवैद्यनाथ सभागार में आपदा राहत और शासन के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के जागरूकता के सन्दर्भ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि शासन के द्वारा बाढ़, सूखा, अग्नि, ओला, सुनामी, बादल फटना, भूस्खलन, हिमस्खलन सहित कुल 11 आपदाएं अधिसूचित किया गया है। उन्होंने विस्तार से आपदाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई और जनसंवाद के दौरान आपदा से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर देते हुए आपदा के समय स्वयं को भी जागरूक होने के लिए कहा।जिलाधिकारी के द्वारा संवाद करते हुए लोगों से पूछा कि सर्पदंश के प्रकरण में क्या किया जाना चाहिए और जानकारी देते हुए बताया गया कि सर्पदंश के दशा में सर्वप्रथम नजदीकी सीएचसी, पीएससी सेंटर पर इलाज हेतु ले जाना चाहिए और मृत्यु की दशा में पोस्टमार्टम अनिवार्य रूप से करना चाहिए, जिससे उन्हें आपदा राहत के तहत क्षतिपूर्ति दी जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि आपदा के तहत क्षतिपूर्ति दिलाने के लिए शासन और जिला प्रशासन पूरी तरह से कटिबंध है। कार्यशाला में जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा आपदा राहत से संबंधित पुस्तक को प्रधानों को वितरण करते हुए कहा कि गांव में जाकर आमजन को भी जागरूक किया जाए। कार्यशाला में जिलाधिकारी के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री, जीरो पॉवर्टी, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्र में पात्र गरीब व्यक्तियों का जीरो पॉवर्टी योजना में शत-प्रतिशत आच्छादित करें।जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित लोगों से अपील की गई कि प्रत्येक व्यक्ति के द्वारा कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाया जाए। उन्होंने परिषदीय विद्यालयों में फलदार वृक्ष जैसे कटहल, आंवला, सहजन आदि की पौधे लगाए जाने के लिए भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के प्रत्येक किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री करना अनिवार्य है। उन्होंने 70 प्लस के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान टी0डी0 कालेज और प्राथमिक विद्यालय गुरैनी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया, परियोजना निदेशक के0के0 पांडेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, ईओ, खंड विकास अधिकारी, समाज सेवी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
युसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश, आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

## पूर्व सांसद पर जानलेवा हमला, कार्यकताओं ने कमरे में छुपाकर बचाई जान

**मिहींपुरवा,बहराइच(उत्तरशक्ति)।** पूर्व सांसद बहराइच व वर्तमान बहराइच सांसद डॉ. आनंद गोंड के पिता अक्षयवर लाल गोंड पर सोमवार को दूसरे समुदाय के लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। पूर्व सांसद एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। लाठी-डंडा व धारदार हथियारों से लैस करीब 38 लोगों के अचानक पहुंचने से मौके पर अफरातफरी मच गई। कार्यकताओं ने उन्हें कमरे में बंद कर उनकी जान बचाई। हमले में पूर्व सांसद बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके सुरक्षागार्ड घायल हो गए। मोतीपुर क्षेत्र के मटेही कला निवासी राम सरोज पाठक के यहां रविवार को यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम था। इसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गोंड पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान गांव निवासी शाहिद अली, नियाज, शाहिद अली द्वितीय, नैप्यारे, सन्नो बेगम, आसमा, सबीना, बाबू उर्फ सगीर आदि 38 लोग लाठी-डंडा व धारदार हथियार के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे और सांसद के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सांसद पर हमला कर दिया।

सुरक्षा गार्डों व कार्यकताओं ने सांसद को बचाया, लेकिन इस दौरान कार्यकर्ता व सुरक्षा गार्ड घायल हो गए। पूर्व सांसद को बचाने के लिए सभी ने उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया। राम सरोज ने बताया कि आरोपियों ने दरवाजा तोड़ने का भी प्रयास किया और जिसने भी विरोध किया उसकी पिटाई की। इससे मौके पर अफरातफरी मच गई। चीख-पुकार सुन काफी संख्या में ग्रामीण व भाजपा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए।

इसके बाद हमलावर सांसद को जान से मारने की धमकी देते हुए हथियार लहराते हुए चले गए। इसके बाद कार्यकताओं के सुरक्षा घेरे के बीच सांसद को उनके घर पहुंचाया गया। घटना के बाद से गांव में दहशत व तनाव की स्थिति है। राम सरोज की तहरीर पर पुलिस ने आठ नामजद व 30 अज्ञात पर केस दर्ज किया है। हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

थाना प्रभारी आनंद चौरसिया ने कहा कि पूर्व सांसद पर मांगलिक कार्यक्रम में हमले का प्रयास हुआ है।

## भारत-नेपाल सीमा के निकट महिला तस्कर गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी (उत्तरशक्ति)। लखीमपुर खीरी के थाना पलिया क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा के निकट पुलिस टीम ने एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उससे 20 लाख रुपये कीमत की ब्राउन शुगर बरामद की है। आरोपी से भारतीय और नेपाली मुद्रा और लाखों रुपये के आभूषण भी मिले हैं। भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए पिछले तीन-चार दिन से पुलिस और एसएसबी की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। इसमें रविवार को गौरीफंटा कोतवाली क्षेत्र में दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। अब सोमवार को पलिया क्षेत्र में पुलिस टीम ने एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार महिला से 450 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ (ब्राउन शुगर, कीमत लगभग 20 लाख रुपये), 90,633 रुपये भारतीय मुद्रा, 1,32,900 रुपये नेपाली मुद्रा, चार मोबाइल फोन और करीब चार लाख रुपये कीमत के सोने व चांदी के आभूषण बरामद हुए हैं। आरोपी महिला नाम कैलाश कौर पत्नी गुरमीत सिंह निवासी मोहल्ला रंगरेजान प्रथम कस्बा व थाना पलिया, स्थायी पता ग्राम मजरा पूरब थाना पढुआ बताया गया है।

## निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

**देवरिया (उत्तरशक्ति)।** शहर के सावित्री नर्सिंग होम में सोमवार की सुबह इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा किया और देवरिया-गोरखपुर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे करीब 20 मिनट तक प्रभावित रहे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जाम को समाप्त कराया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के ग्राम अघैला निवासी अशोक 60 पुत्र रमाशंकर यादव के सीने में तेज दर्द की शिकायत होने पर एक मई की देर रात में परिजनों ने शहर के राजकीय आईटीआई के सामने स्थित सावित्री नर्सिंग होम में भर्ती कराया। धीरे-धीरे उनकी तबीयत में सुधार हो रहा था। मृतक के पुत्र नवनीत यादव ने कोतवाली पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि चार घंटे के इलाज के बाद ही उनके पिता के स्वास्थ्य में काफी सुधार हो गया था, लेकिन पैसे बढ़ाने के उद्देश्य से अस्पताल प्रशासन की ओर से उन्हें डिस्चार्ज नहीं किया जा रहा था। तीन मई को परिजनों ने डिस्चार्ज करने की बात कही, लेकिन अस्पताल प्रशासन इसे टालता रहा। सोमवार की सुबह उनके पिता अशोक की अस्पताल में ही मृत्यु हो गई। उन्होंने पुलिस से अस्पताल के जिम्मेदारों पर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

## दाह संस्कार के बाद स्नान करने गए व्यक्ति की तमसा में डूबने से मौत

**जहानागंज (उत्तरशक्ति)।** थाना क्षेत्र के बरहतिर जगदीशपुर गांव में बालचंद राजभर (45) की राजघाट पर स्नान के दौरान तमसा में डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार को तब हुई जब बालचंद अपने रिश्तेदार गोलू राजभर के दाह संस्कार के बाद स्नान करने गए थे। गोलू की एक महीने पहले महाराष्ट्र में नौकरी के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद उनका शव गांव लाया गया था। जानकारी के अनुसार, गोलू का दाह संस्कार आजमगढ़ के राजघाट पर किया गया। इसके बाद बालचंद राजभर स्नान करने गए, लेकिन वह डूब गए। उपस्थित लोगों ने करीब तीन घंटे तक उनकी तलाश की। जब वह मिले, तो उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बालचंद की मौत की खबर गांव और क्षेत्र में फैलते ही हर कोई हतप्रभ रह गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पुत्र सुनील राजभर ने पुलिस को सूचना दी।

## सड़क हादसे में पिता की मौत

**निजामाबाद (उत्तरशक्ति)।** थाना क्षेत्र के मडार गांव निवासी श्याम भंवर यादव (55) की शनिवार शाम सड़क हादसे में मौत हो गई। वे अपने मित्र रामजीत यादव (45) के साथ बेटे की शादी का कार्ड बांटने अपनी बेटी के ससुराल गए थे। वापसी के दौरान सेहदा के पास विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में श्याम भंवर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम 7 बजे उनकी मृत्यु हो गई। उनके मित्र रामजीत यादव भी गंभीर रूप से घायल हैं। श्याम भंवर के तीन बेटे और एक बेटी हैं। बेटे की शादी 23 मई को होनी थी।

## मुंगराबादशाहपुर निवासी रवि दुबे के जन्मदिन पर लगा बधाइयों का तांता

**प्रेम चंद मिश्रा**

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** जनपद जौनपुर मुंगराबादशाहपुर निवासी भाजपा नेता रवि कृष्ण चंद दुबे का जन्मदिन 5 मई 2025सोमवार को गीता वेल्डिंग के संचालक व भाजपा नेता व समाजसेवी के जन्मदिन को यादगार बनाने के उद्देश्य से जानी मानी पूर्व विधायक व राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों की उपस्थित में केक काटा गया, इसके बाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि के साथ रवि दुबे 'को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुँह मीठा कराया। उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक,



सामाजिक और धार्मिक कार्यो की भूरि-भूरि सराहना करते हुए पुष्प हारों से ढंक दिया। भाजपा नेता मनोज द्विवेदी व्यास, नई बाजार से अयोध्या प्रसाद तिवारी, पिता कृष्ण चंद दुबे, मां गीता दुबे ने आशीर्वाद दिया तथा छोटा भाई राजू दुबे , राकेश दुबे , मित्रगण भरत तिवारी, रोहन पाण्डेय अमित दुबे , ईशू तिवरी , अशुतोष दुबे, शुभम दुबे ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र उपसंपादक मौसा प्रेम चंद मिश्रा, मौसी लीलावती मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उत्तर शक्ति समाचार पत्र के सहयोगी जगदीश तिवारी, जय प्रकाश त्रिपाठी, सुरत से मामा दिनेश तिवारी, सुरेश , रमेश तिवारी, संजय तिवारी, मुन्ना भाई तिवारी, मामी श्यामा तिवारी, सोना तिवारी ने भी जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं दी हैं। दूबे ब्राह्मण समाज के आधारस्तम्भ ही नही समाज के गौरव हैं। उत्कृष्ट व्यक्तित्व, मृदुभाषी,और बेहद ही विनम्र स्वभाव के व्यक्ति है,सरलता ही आपकी पहचान है। आपने समाज के लिए खुद को पूर्ण समर्पण कर दिया है। मुंबई से मौसा प्रेम चंद मिश्रा ने आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि आप हम सभी लोगो के प्रेरणाश्रोत है,प्रभु से प्रार्थना है की आप जीवन में ऐसे ही तरक्की करते रहे और नित्य नई ऊंचाइयों को छूते रहे,स्वस्थ रहे,सुखी रहे, पुनः जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई ।

## वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पाण्डेय का हुआ सम्मान

**मीरा रोड (उत्तरशक्ति)।** मीरा रोड में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाज सेवक महेंद्र पाण्डेय का अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान के मीरा रोड कार्यालय में अखिल ब्राह्मण विकास प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कमलेश रामयज्ञ पाण्डेय ने सम्मानित किया । राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश पाण्डेय ने सम्मानित करने के बाद बताया कि हमारे संगठन से जम्मू से केरला एवं असम से महाराष्ट्र तक लगभग 12 लाख 50 हजार पुरुष एवं 46 हजार महिलाएं जुड़ने के साथ साथ 24 प्रदेशों में संगठन संचालित हो रहा है। आगे उन्होंने बताया कि संगठन के संरक्षक पंडित संतोष दीक्षित एवं राष्ट्रीय महासचित पंडित उमेश तिवारी संगठन के लिए हमेशा सक्रीय रहते हैं।

## भारत में अस्थमा अभी भी बहुत सारी गलतफहमी की शिकार है : डॉ. प्रवीण कुमार शाही

**पटना (उत्तरशक्ति)।** ग्लोबल इनिशियेटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) यानी अस्थमा के लिए वैश्विक पहल की थीम ₹साँस के जरिये उपचार को सब के लिए सुलभ बनाना₹ के साथ चिह्नित, इस साल का विश्व अस्थमा दिवस भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य यात्रा में एक महत्वपूर्ण मौके पर आता है। अस्थमा और सांस की अन्य पुरानी बीमारियाँ गैर-संचारी रोग (एनसीडी) से संबंधित मौतों में तीन शिखर की योगदानकताओं में से हैं। यह देश भर में होने वाली सभी मौतों का आधे से अधिक हिस्सा हैं। इसके बावजूद गंभीर अस्थमा के लक्षण वाले लगभग 70 प्रतिशत व्यक्तियों की बीमारी का पता नहीं चलता है। 2.5 प्रतिशत से भी कम लोग प्रतिदिन अनुशंसित उपचार इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स का उपयोग करते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक दीर्घकालिक, सहयोगी रुख की आवश्यकता होती है जो जागरूकता, शिक्षा और पहुँच को एकीकृत करता है। जनता का सामना करने वाले सिप्ला के बेरोक जिंदगी जैसे अभियान आधे दशक से अधिक समय से चल रहे हैं। टफीज के साथ कंपनी की ब्रीथफ्री पहल ने अकेले एफवाई 24-25 में एक करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है। इनहेलेशन थेरेपी के महत्व और उपलब्ध उपचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए, डॉ. प्रवीण कुमार शाही, सलाहकार पल्मोनोलॉजिस्ट, पटना ने कहाः ₹अस्थमा प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य लक्षणों को नियंत्रित करना, बचाव वाली दवा पर निर्भरता कम करना, अस्पताल में भर्ती होने से रोकना और फेफड़ों की कार्यक्षमता को बनाए रखना - अंततः जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए समय पर निदान, सही इनहेलर का उपयोग और लगातार अनुपालन की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, इन क्षेत्रों में अक्सर खराब डिवाइस तकनीक, देखभाल तक सीमित पहुंच और दीर्घकालिक समर्थन की कमी के कारण बाधा उत्पन्न होती है। ब्रीथफ्री जैसी पहल ऑन-ग्राउंड स्क्रीनिंग कैंप, डिजिटल एजुकेटर प्लेटफॉर्म जैसे ऑनलाइन टूल और आसान 'कैसे करें' डिवाइस प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से इन अंतरालों को पाटने में सहायता मिली है। ये संसाधन रोगियों और देखभाल करने वालों को अस्थमा पर बेहतर नियंत्रण पाने में वास्तविक अंतर लाते हैं। इलाज की कमी को दूर करने में जागरूकता की भूमिका को रेखांकित करते हुए, डॉ. ने टिप्पणी कीः भारत में अस्थमा अभी भी बहुत सारी गलतफहमी की शिकार है। इनहेलर के इस्तेमाल से जुड़ी भ्रांतियाँ और इस बीमारी का नाम तक न लेने में हिचक के कारण अक्सर निदान और उपचार में देरी होती है।

## इंडियन कैंसर सोसायटी ने सीके हांडू स्कालरशिप की राशि बढ़ाते हुए उसे फिर से शुरू किया




मुंबई। विश्व कैंसर दिवस के दिन इंडियन कैंसर सोसायटी (आईसीएस) ने सीके हांडू स्कालरशिप की राशि बढ़ाते हुए इस बंद पड़ी स्कालरशिप को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। इस स्कालरशिप की शुरूआत 1969 में श्रीमती मनोरंजना कौल ने अपनी माता श्रीमती चंद्रा कुमारी हांडू की स्मृति में की थी। स्कालरशिप का उद्देश्य देश में कैंसर की रोकथाम, पूर्व पहचान, उपचार, रोगी की देखभाल, और बीमारी नियंत्रण को लेकर किए जाने वाले शोध कार्य को बढ़ावा देना है। सीके हांडू स्कालरशिप की स्थापना देश के उन मजलूम लोगों के कैंसर उपचार को लेकर की गई थी जिसमें अर्थपूर्ण रिसर्च हो जिसके फलस्वरूप बेहतर देखभाल और स्वास्थ्य को लेकर रणनीति बनाते हुए उपचार की व्यवस्था संभव हो।

इस स्कालरशिप के तहत पहले सालाना तौर पर दो ग्रांट 50,000 की दी जाती थी जिसे बढ़ाकर 1,00,000 कर दिया गया है। वित्तीय सहयोग के साथ ही, इस कार्यक्रम के विजेताओं को जहां व्यावसायिक पहचान मिलती है वहीं उनको एक ऐसा प्लेटफार्म भी प्राप्त होता है जहां पर वे अपने शोधपत्र को ऐसे इवेंट्स और फोरमों में जमा कर सकें जहां उनको व्यापक पहचान मिल सके और उनकी बातें असरकारक हो सकें।

इंडियन कैंसर सोसायटी के नेशनल मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती ऊषा थोरात का कहना है, सीके हांडू स्कालरशिप हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स की नई पीढ़ी को इस बात के लिए प्रोत्साहन देती है कि वे समाज की बेहतरी के लिए रिसर्च करें। इस प्रोग्राम को हर वर्ष अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, और उम्मीद करते हैं कि इस अवार्ड से इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा प्रार्थी जुड़ने का प्रयास करेंगे।

## बदलापुर में लोजपा ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर के अपमान के विरोध में लोकतांत्रिक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के कार्यकताओं ने आज पार्टी प्रदेश महासचिव तथा प्रवक्ता विकास विजय नारायण पांडे के नेतृत्व में सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला जलाकर विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान समेत अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके बाद पार्टी द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से बात करते हुए राजीव पासवान ने कहा कि प्रदेश की 100 सीटों पर हमने चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर रखी है । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार बाबासाहेब का अपमान कर रही है। हमारी पार्टी बाबासाहेब के अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय रामविलास पासवान द्वारा किए गए जनहित कार्यों को पूरा देश देख चुका है। अब उनके सुपुत्र तथा पार्टी अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान उनके सपनों और कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। राजीव पासवान ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव की चाभी हमारे पास रहेगी। हमारी पार्टी के सहयोग से ही उत्तर प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री तय होगा। बदलापुर विधानसभा से भी हम चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। विजय नारायण पांडे यहां से चुनाव लड़ेंगे। पत्रकार वार्ता में उपस्थित विकास विजय नारायण पांडे ने बताया कि जौनपुर में जल्द ही पार्टी प्रमुख चिराग पासवान की एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारेलाल सरोज, प्रदेश संगठन मंत्री रजनीश तिवारी, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आशीष पासी, अनिल कुमार मिश्रा, प्रदेश महासचिव, जितेंद्र पासी उपस्थित

## जौनपुर से हज पर जाने वालो का पहला दस्ता लखनऊ स्थित अमौसी एयरपोर्ट से रावाना

**रियाजुल हक**

**जौनपुर(उत्तरशक्ति)।** सऊदी अरब के मक्का शहर में हज का अरमान लिए हाजियों के जाने का सिलसिला जारी हो चुका है। इसी सिलसिले में आज जौनपुर से हज पर जाने वालो का पहला दस्ता लखनऊ स्तिथ अमौसी एयरपोर्ट से रावाना हुआ। इसी क्रम में जौनपुर शहर के उर्दू बाजार से एजाज अहमद और उनकी माता कैसरी बेगम रवाना हुई, जहाँ सैकड़ो की संख्या में मौजूद लोगो ने नारे की सदाएं बुलंद करके हज पर जाने वालो को मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन चैन, भाईचारगी, के लिए विशेष दुआ करने की अपील की। इस मौके पर मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने कहा की जौनपुर से कुल अड़तालिस लोग अलग अलग दिनों में दयार-ए-हरम के लिए रवाना हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से मोहम्मद आसिम, सद्भावना क्लब के पूर्व अध्यक्ष श्रवण साहू, अध्यक्ष मोहम्मद रजा खान, विनीत गुप्ता, हाजी सैय्यद फरोग, विजय अग्रवाल, हाजी राशिद,लोकेश जावा,जाकिर वास्ती, नागेंद्र यादव, मोहम्मद शाद राजू सेठ, अब्दुल कय्यूम, अय्यूब, सादिक, सेराज शिराजी,मेराज, साजिद निसार आदि लोगो ने भावुक माहौल में आजमीन हज से गले मिलकर दुआएं ले रहे थे।

## सोनालीका ने अप्रैल में कुल 11962 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की

**पटना (उत्तरशक्ति)।** भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2026 में शानदार शुरूआत करते हुए अप्रैल 2025 में कुल 11,962 ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज की है जो ब्रांड की लगातार बढ़ती किसान-केंद्रित प्रतिबद्धता को दशार्ता है। किसानों की क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार अपने अत्याधुनिक ट्रैक्टरों को अनुकूलित करके, सोनालीका उन्नत समाधान पेश करने में आगे रहा है जो पूरे भारत में किसानों के लिए लाभ उपलब्ध करा रहा है। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने पहले ही अपना बहुप्रतीक्षित 'सोनालीका तूफानी धमाका' ऑफर लॉन्च कर दिया है, जो देश भर के किसानों के लिए अविश्वसनीय कीमतों पर सोनालीका हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर घर लाने का एक सुनहरा अवसर है। खरीफ फसल उत्पादन में साल-दर-साल वृद्धि और रबी की बुआई के मजबूत अनुमान के साथ-साथ स्वस्थ मानसून के पूवार्नुमान से भारतीय कृषक समुदाय में लगातार उत्साह बना हुआ है। कृषि समृद्धि को बढ़ावा देने हेतु हर सोनालीका हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर किसानों की दक्षता को अधिकतम करने और हर क्षेत्र में लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से बनाये गए हैं। अपने विचार साझा करते हुए, रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, ₹हमने अप्रैल 2025 में कुल 11,962 ट्रैक्टर बिक्री के साथ अपने वित्त वर्ष 2026 की यात्रा की सकारात्मक शुरूआत की है, जिसने आने वाले प्रभावशाली वर्ष के लिए दिशा तैयार कर दी है।

## मीर्कूल प्रिक्ली हीट टैल्क द्वारा भारत के 35 स्थानों पर यात्रियों के लिए

पटना । क्या आप रोज सफर करते हैं? अगर आपका जवाब हाँ है तो इस चुभती-जलती गर्मी में ट्रैफिक सिग्नल पर लम्बे समय तक रुके रहने से आप परेशान तो होते ही होंगे। दिन में तपती गर्मी तो आप सहते ही हैं पर इसके साथ चिलचिलाती धूप, पसीना, शरीर की दुर्गंध और घमौरियों से होने वाली खुजली जैसी गर्मियों की दूसरी समस्याओं का भी आपको सामना करना पड़ता है। डमीर्कूल, ईमामी लिमिटेड परिवार की ओर से भारत का प्रमुख प्रिक्ली हीट पाउडर घमौरियों के लिए डमोर्टोलॉजिस्ट द्वारा अनुमोदित एक समाधान है और इसमें नीम और तुलसी का डबल पावर है। इस साल की गर्मियों के लिए ब्राण्ड ने पटना में एक शानदार पहल की शुरूआत की है। इस पहल के जरिये पूरे शहर के प्रमुख ट्रैफिक सिग्नल्स पर अस्थायी शेड्स लगाया गया है। इससे पैदल यात्री मतलब खरीदारी करने और आफिस जाने वाले लोग, विद्यार्थी, साइकिल, टू-व्हीलर और कार चालकों को गर्मी से राहत मिलेगी। एक महीने के लिए लगाए गए इन टेम्परारी शेड्स से लोगों को कुछ दिनों के लिए ही सही पर थोड़ी राहत मिलेगी। इन शेड्स से सूरज की सीधी रौशनी आँखों में भी नहीं पड़ती है और ड्राइवरों को और भी साफ दिखता है जिससे संभवत एक सुरक्षित ट्रैफिक परिस्थिति भी तैयार होती है। इस पहल के तहत पटना के अली नगर कॉलोनी, फुलवारी शरीफ में डमीर्कूल ओवरहेड ट्रैफिक सिग्नल शेड्स लगाए गए हैं।गर्मी के इस मौसम में भारत के कई राज्यों में 35 स्थानों पर कई चरणों में ऐसे ही पहलों की शुरूआत की गई है। इन राज्यों में शामिल हैं आन्ध्र प्रदेश, तमिल नाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और दिल्ली जहाँ पर गर्मियों का तापमान लगातार 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक ही रहता है।

## कलश यात्रा में जल भरने गए युवक की डूबने से मौत

**देवरिया (उत्तरशक्ति)।** बनकटा थाना क्षेत्र के ग्राम बैदौली बुजुर्ग में नवनिर्मित एक मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए सोमवार को कलश यात्रा निकाली गई। भाटपाररानी थाना क्षेत्र के चनुकी घाट पर जल भरने के दौरान अचानक गहरे पानी में चले जाने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक बच गए। बनकटा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और यज्ञ रोक दिया गई। ग्राम बैदौली बुजुर्ग में निजी भूमि में एक व्यक्ति ने राधा कृष्ण और महादेव का मंदिर बनाया है।

## बस की चपेट में आने से महिला की मौत ,बगल मे बनी पुलिस चौकी बस को पकड़ने में हुई असमर्थ

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत इमरानगंज बाजार पुलिस चौकी के समीप आज एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। बताते चले कि शाहगंज की तरफ से जौनपुर की ओर जा रही एक बस जो इमरानगंज पुलिस चौकी के समीप पहुंचते ही एक एक्सीडेंट कर-के मौके से फरार हो गई। आश्चर्य की बात यह है कि पुलिस यातायात नियमों के लिए इमरानगंज में बनाई गई। पुलिस चौकी का कोई लाभ नहीं दिखा जहां पर एक्सीडेंट करते हुए बस फरार हो गई जनता द्वारा पुलिस चौकी सहायक से कैमरा रिकॉर्डिंग मांगी गई की बस की पहचान हो सके लेकिन पुलिस द्वारा बताया गया कि कैमरा चल नहीं रहा है किसी तकनीकी कारण बिगड़ गया है। मृतक का नाम मंजू सोनी पति स्वर्गीय दिलीप सोनी ग्राम जलालपुर जिला जौनपुर की निवासी थी। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि शाहगंज की तरफ से बस आ रही थी और बस ड्राइवर अनियंत्रित हो गया और साइट लगने से महिला गिर गई गिरते ही बस का पिछला टायर उसके सिर पर चढ़ गया और मौके पर ही महिला की मृत्यु हो गई ग्रामीणों द्वारा हो हल्ला हुआ और बस का पीछा कुछ लोगों ने मोटर साइकिल से किया गया। बस वाला खाली रोड का फायदा उठाते हुए वहां मौके से फरार हो गया मामले की जांच में पुलिस प्रशासन जुटा हुआ है। स्थानीय लोगों की मांग है कि बस को पहचान कर उस पर कानूनी कार्यवाही की जाए।

## श्रमजीवी साहित्य मेले के उद्घाटन समारोह सम्पन्न

वसई रोड। यह आयोजन श्रमजीवी संगठन और विधान सभा द्वारा पालघर डोंगरी में आयोजित श्रमजीवी साहित्य मेले के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान आदिवासी विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष विवेक भाऊ पंडित द्वारा लिखित पुस्तक मुके ते जनमले ओठ का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, आदिवासी विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष विवेक भाऊ पंडित, सांसद डॉ. हेमन्त विष्णु सावरा, विधायक विद्युल्लता पंडित, विधायक राजन नाईक, विधायक विलास तारे, विधायक हरिश्चंद्र भोये, विधायक राजेंद्र गावित, भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वरिष्ठ नाटककार प्रेमानंद गजवी, श्रमजीवी संगठन के अध्यक्ष रामभाऊ वार्ना, वरिष्ठ कवि अशोक नायगांवकर, पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे, गजल वादक भीमराव पंचाले, वरिष्ठ पत्रकार राहुल गडपाले, और वरिष्ठ वकील एडवोकेट ने उपस्थिति दर्ज की। इसके अलावा, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. महेश केलुस्कर, संपादक श्रीमती शिल्पा शिवालकर, वरिष्ठ प्रकाशक अशोक मुले, वीरेंद्र पाटिल, सुरेश रागेड़ सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिकों की बड़ी संख्या भी इस कार्यक्रम में शामिल हुई।

## राम नाईक ने मत्स्योद्योग विकास नीति समिति के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

वसई रोड। राम नाईक ने मत्स्योद्योग विकास नीति समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री. देवेंद्र फडणवीस को सौंपा है, इसके पीछे उनका स्वास्थ्य कारण बताया गया है। पिछले कुछ महीनों में उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहा, जिसके कारण उन्हें तीन बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। हालांकि अब उनका स्वास्थ्य कुछ बेहतर है, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें पूर्ण विश्राम की सलाह दी है। इसलिए उन्होंने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। श्री नाईक ने मच्छुआरों के कल्याण के लिए लंबे समय से काम किया है और उनकी राय थी कि मत्स्य उद्योग को कृषि समान दर्जा मिलना चाहिए। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने पहले ही निर्णय ले लिया था। इस कारण श्री. नाईक ने सोचा कि अब आगे अन्य निर्णय लेने में अधिक देरी न हो, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया। अपने त्यागपत्र में श्री. नाईक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मत्स्य उद्योग व बंदरगाह मंत्री नीतेश राणे को धन्यवाद दिया है। मुख्यमंत्री ने पहले श्री. नाईक से संपर्क किया और फिर उनके निवास स्थान पर अपने प्रतिनिधि को भेजकर इस्तीफा स्वीकार किया।

## स्नेहा दुबे ने वसई में इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया

वसई । वसई पश्चिम में महानगरपालिका द्वारा किला बंदर से भुईगांव रूट पर नई इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के शुभ हाथों से संपन्न हुआ। यह पहल वसईकरवासियों को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल यात्रा के लिए नई सुविधाएं प्रदान करेगी। इस उद्घाटन समारोह में वसई विरार शहर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे, वाहन एवं परिवहन तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के उपायुक्त नानासाहेब कामठे, सहायक आयुक्त विश्वनाथ तलेकर, सहायक आयुक्त श्रीमती संगीता घाडीगांवकर, और विभिन्न विभागों के अधिकारी, वसई विधानसभा के मंडल अध्यक्ष, गणमान्य व्यक्ति, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस इलेक्ट्रिक बस सेवा के माध्यम से वसई-भुईगांव और वसई-किला पोर्ट मार्गों पर यात्रा को अधिक आरामदायक, आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाएगा। यह सेवा वसई शहर के सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। समारोह में वसई मंडल अध्यक्ष महेश सरवनकर, उदय शेट्टी, गीताजली दरीवाला, भाजपा वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर धुरी, नगरसेवक किरणजी एक्स, केतन गांधी, सिद्धेश तावड़े, दीपक शर्मा, जितेंद्र वेंगुलकर, गजानन भाएर, स्वीट मयंक सेठ, गोपी मेनन, किरण पाटिल, अपर्णा पाटिल, साधना धुरी, हरीश बेदी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## लड़की भगाने के शक में क्योलडिया थाने में युवक को पीटा

बरेली। लड़की भगाने के आरोप में क्योलड़िया थाने में भुता निवासी एक युवक को पीटा गया। पिटाई के बाद दहशत में आए युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के बाद पूरे गांव में हंगामा मच गया। स्वजन ने क्योलड़िया थाने के इंस्पेक्टर क्राइम श्रवण कुमार पर पीटने का आरोप लगाया। कहा कि जिस समय इंस्पेक्टर उनके बेटे को पीट रहे थे उस वक्त थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार भी मौजूद थे। उन्होंने भी उनके बेटे को धमकाया, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया। उसकी पीठ व कंधों पर कई निशान मिले। आक्रोशित स्वजन ने पुलिस को शव पोस्टमार्टम के लिए नहीं ले जाने दिया। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह से लोगों के समझाकर देर शाम शव का पोस्टमार्टम कराया। क्योलडिया थाना के एक गांव निवासी किशोरी जनवरी में लापता हो गई। आठ जनवरी को स्वजन के शिकायती पत्र पर क्योड़िया थाने में किशोरी की गुमशुदगी दर्ज की गई, लेकिन चार माह बीत जाने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला तो मामले की विवेचना क्योलड़िया थाने के इंस्पेक्टर क्राइम श्रवण कुमार को दी।

# सभी अधिकारी सामूहिक और टीम भावना के साथ कार्य करें, जनता को दें बेहतर सेवाएं

-सुरेश गांधी

वाराणसी। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने सोमवार को चंदौली जनपद भ्रमण के दौरान वहां के कलेक्ट्रेट सभागार में मौजूद अधिकारियों से विकास कार्यों का हाल जाना। इसके बाद मौके पर निमार्णाधीन विकास कार्यों की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, आईजीआरएस, राजस्व कार्यों तथा विकास योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद समस्त मातहत अधिकारियों को कड़े दिशा निर्देश देते हुए कहा कि समयावधि के भीतर समस्त कार्य योजनाएं हर हाल में पूर्ण किए जाएं। इस कार्य में लापरवाही व लेटलतीफी किसी भी दशा में क्षम्य नहीं होगी। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न पटलों का भ्झी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एल.आर.सी. लिपिक एवं नजारत शाखा के नाजिर द्वारा रजिस्टरों व अभिलेखों की जानकारी न होने पर मंडलायुक्त ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ संपन्न किया जाए। राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने सभी तहसीलों के 10 बड़े बकायादारों के नाम एवं उससे संबंधित कार्यवाही के बारे में पूंछे जाने पर माकूल जवाब न मिलने पर संबंधित उपजिलाधिकारी को कड़ी फटकार लगाई। मंडलायुक्त ने पुराने राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण के कड़े दिशा निर्देश देते हुए दाखिल-खारिज, वरासत, सीमांकन एवं अन्य प्रक्रियाओं में सुधार लाने और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने भूमि संबंधित विवादों के समाधान में तेजी लाने और लेखपालों की फील्ड उपस्थिति नियमित करने के निर्देश देते हुए अच्छा और खराब काम करने वाले लेखपालों की लिस्ट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

विकास कार्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर कार्यों की प्रगति की निगरानी करने और समयबद्ध निष्पादन की जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सामूहिक और टीम भावना के साथ कार्य करें। मंडलायुक्त ने स्पष्ट किया कि शिथिलता, लापरवाही और कार्यों में विलंब कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मंडलायुक्त ने हीट वेव को देखते हुए जिला प्रशासन को सभी आवश्यक तैयारी रखने के कड़े दिशा निर्देश दिए। उन्होंने फायर टेंडर को विकेंद्रीकृत तरीके से स्थापित करने का सुझाव दिया। बैठक के दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत कार्य करने वाली सभी कार्यदायी संस्थाओं की गुणवत्ता एवं परफॉर्मेंस के बारे में जानकारी ली एवं त्वरित गति से कार्य करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने फॉर्मर रजिस्ट्री एवं फेमिली आई डी में तेजी लाए जाने के निर्देश भी दिए। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी आर जगत सांई, अपर जिलाधिकारीगण वित्त/प्रशासन तथा न्यायिक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सभी उपजिलाधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न पटलों के निरीक्षण के दौरान एलआरसी बाबू एवं नजारत में नाजिर को रजिस्टरों के नाम न पता होने तथा अपडेट न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कड़ी कार्यवाही करने की दी चेतावनी दी। मंडलायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि कार्यालयीय कार्यों में इस प्रकार की उदासीनता व लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगली बार इस तरह की लापरवाही मिली तो कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देना प्राथमिकता है, और यदि कोई कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह या उदासीन पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

मंडलायुक्त एस राजलिंगम द्वारा रामनगर स्थित मल्टी मॉडल टर्मिनल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा कालोनियों तथा आसपास के घरों से आने वाले पानी हेतु प्रस्तावित एसटीपी समेत मल्टीमीडिया मॉडल जेट्टी को भी देखा गया तथा उक्त के संबंध में उचित दिशानिर्देश दिये गये। मंडलायुक्त द्वारा वहां खड़ी एमवी बंगाल गंगा, एसएल जाह्नवी, हाइड्रोजन जहाज (एच-2 बोट) समेत नगर निगम बोट का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त द्वारा फ्रेट विलेज तथा मल्टी मॉडल हेतु अधिग्रहित भूमि का भी निरीक्षण किया गया, जिस पर एनएचएलएमएल कम्पनी द्वारा वाराणसी और चंदौली सीमा पर स्थित 100 एकड़ में एक अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) के रूप में विकसित किया जायेगा, जिसे फ्रेट विलेज के रूप में भी जाना जायेगा। परियोजना स्थल से 650 मीटर की दूरी पर स्थित एनएच-7 और एनएच-2 को सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। वहीं जीवनाथपुर जंक्शन से विलेज तक 5.1 किमी रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। इससे नई दिल्ली-हावड़ा रेल फ्रेट कॉरिडोर और फ्रेट विलेज का भी जुड़ाव होगा।

## नवाचार के क्षेत्र में युवाओं को मिलेगा नया अवसर: अजय सिंह

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को डिजिटल युग के अनुरूप दक्ष बनाने के उद्देश्य से, सोमवार को मंत्री प्रतिनिधि अजय सिंह ने खेतासराय क्षेत्र के रानीमऊ-लेदरही मार्ग पर स्थित साँई कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र से आस-पास लोग व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिंह ने फीता काटकर संस्थान का विधिवत उद्घाटन किया और इसके विभिन्न कक्षों, कंप्यूटर लैब, डिजिटल क्लासरूम एवं अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संस्था की सराहना करते हुए कहा, आज के दौर में कंप्यूटर शिक्षा समय की माँग है। इस संस्थान की स्थापना से हमारे क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्ता युक्त तकनीकी शिक्षा मिलेगी जिससे वे रोजगार योग्य बन सकेंगे।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार तकनीकी शिक्षा को गाँव-गाँव तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इस संस्थान के माध्यम से छात्र न केवल कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी प्राप्त करेंगे, बल्कि एडवांस कोर्सों के माध्यम से आईटी क्षेत्र में भी करियर बना सकेंगे।संस्थान के डायरेक्टर अमित श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि यहाँ पर बेसिक कंप्यूटर कोर्स, टैली, ग्राफिक डिजाइनिंग, वेब डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे कोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि छात्रवृत्ति योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को विशेष छूट दी जाएगी।इसके पूर्व प्रदीप श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य सबा, शाहिद अहमद, लालचन्द्र राजभर समेत आदि लोगों ने अतिथि का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व प्रधान आनंद बरनवाल, जियालाल, लक्ष्मीशंकर, सन्दीप मौर्य प्रधान, वसीम अहमद प्रधान, कादरीन बानों, मनोरमा प्रजापति, सीमा भारती, रोशनी पायल श्रीवास्तव, शिवांगी, सृष्टि, उजाला मुख्य रूप से उपस्थित रही।

## जौनपुर और प्रतापगढ़ के कैंसर पीड़ितों के लिए सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने की मदद की अपील

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जीवन में कब कौन-सी विपत्ति आ जाए, कहना कठिन है। विशेषकर जब कोई परिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा हो और उस पर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का संकट आ जाए, तो स्थिति और भी विकट हो जाती है। ऐसा ही मामला सामने आया है उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ और जौनपुर से, जहां दो प्रजापति परिवार जीवन के कठिनतम दौर से गुजर रहे हैं। प्रतापगढ़ निवासी करीब 44 वर्षीय राधी देवी प्रजापति को कैंसर हो गया है। उनका परिवार पहले से ही बेहद कमजोर आर्थिक स्थिति में है। तीन बेटियों और एक छोटे बेटे की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। इस संकट की घड़ी में परिवार न केवल जीवनयापन को लेकर संघर्ष कर रहा है, बल्कि इलाज के भारी खर्च से भी जूझ रहा है। दूसरी ओर, जौनपुर के रहने वाले एक 63 वर्षीय बुजुर्ग प्रजापति, जो पहले अपने बेटों के सहारे गुजर-बसर कर रहे थे, उन्हें भी मुँह का कैंसर हो गया है। मुंबई के टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में इनका इलाज चल रहा है। एक ऑपरेशन हो चुका है, परंतु आर्थिक तंगी के कारण दूसरा ऑपरेशन कराना बेहद मुश्किल हो गया है। इन दोनों मामलों की जानकारी मिलने पर मुंबई स्थित सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट, जो कि समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत एक सक्रिय संस्था है, ने तत्परता से संज्ञान लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय प्रजापति ने स्वयं इन मामलों की जांच करवाई और पुष्टि के बाद समाज से सहयोग की अपील की है। ट्रस्ट ने समाज के सभी लोगों से निवेदन किया है कि वे इन जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आएं और उनके जीवन को बचाने में योगदान दें।

# बिजली निगम को हर माह 25.33 लाख रुपए का चूना लगा रहे ई रिक्शा वाले

## व्यावसायिक कनेक्शन के बदले घरेलू कनेक्शन से चार्ज की जा रही ई रिक्शा की बैटरी

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में कुल 5278 ई रिक्शा हैं जो बिजली निगम को हर महीने करीब अनुमानित 25 लाख से अधिक का का चूना लगा रहे हैं। ई रिक्शा वाले व्यावसायिक कनेक्शन के बदले घरेलू कनेक्शन से बैटरी चार्ज कर रहे हैं जिसके चलते ओवरलोड और लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। इस समय शहर से लेकर गांव तक ई रिक्शा फरार्टा भर रहे हैं जिसके चलते व्यवस्था में पटरी हो गई है। बिजली निगम को लाखों का चूना लगा रहे है ।एआरटीओ में शहर में 4000 से अधिक और गांव में 1200 से अधिक ई रिक्शा सड़क पर फरार्टे भर रहे है। जाहिर सी बात है इन वाहनों को चार्ज करने की वजह से बिजली की खपत बढ़ जा रही है। अमूमन इन वाहनों का चार्ज करन के लिए बिजली निगम से व्यावसायिक कराना पड़ता है। निगम के कर्मियों की मानी जाय तो किसी ने भी शहर में कमर्शियल कनेक्शन नही कराया है। शहर में एक यूनिट घरेलू बिजली की दर 6.50 प्रति यूनिट जबकि कमर्शियल की दर 8.50 प्रति यूनिट है। ऐसे में लगभग पाँच हजार से अधिक रिक्शा चालक लगभग ढाई लाख प्रति दिन महकमा को चपत लगा रहे है। ये सभी घरेलू बिजली कनेक्शन से अपने वाहनों को चार्ज करते है।एक दिन में 8 यूनिट की होती है खपत एक ई-रिक्शा को चार्ज करने में लगभग 8 यूनिट की खपत आती है, इसमें 130 या 150 एम्पियर की बैटरी लगी होती है। चार्ज होने के बाद 110 किमी की दूरी तय कर रही है । बिजली करीब 8 यूनिट इसतरह खर्च होती है।

ई रिक्शा चालक घरेलू कनेक्शन या चोरी से वाहन को चार्ज करते है। जबकि नियमतः इसे व्यावसायिक कनेक्शन से ही चार्ज करते है । उत्तर प्रदेश बिजली निगम के घरेलू उपभोक्ता प्रति यूनिट 6.50 है । जबकि कमर्शियल 8.50 यूनिट दर है । इस तरह प्रति यूनिट 2 यूनिट की चपत आ रही है । एक दिन में 8 यूनिट के हिसाब से प्रति ई रिक्शा 16 रुपये आती है । इस हिसाब से प्रति रिक्शा 480 रुपये आता है। इस तरह 5278 घरेलू कनेक्शन चार्ज कर रहे है तो महीने में 25 लाख 33 हजार 440 रुपये का निगम की चोरी हो रही है।

ई रिक्शा की बैटरी घरेलू कनेक्शन से चार्ज नही की जा सकती। इसके लिए व्यावसायिक कनेक्शन लेना अनिवार्य है। जिले में एक भी ई रिक्शा चालक ने कमर्शियल कनेक्शन नही कराया है। टीम गठित कर जांच की जाएगी । ऐसे लोगों पर निगम शिकंजा कसेगा।

## रेल पटरियों पर बैठ मोबाइल में गेम खेल रहे थे दो छात्र, इंजन ने रौंदा, मौत

बरेली। उनकी उम्र महज 11 और 14 वर्ष थी। वह कक्षा चार व सात के छात्र होने के साथ गहरे दोस्त थे। एक ने दो माह पूर्व स्वजन से जिद करके मोबाइल खरीदा था। मोबाइल पर गेम खेलने की ऐसी लत लगी कि वह सबकुछ भूल गए। सोमवार को तो हद हो गई। दोनों रेल पटरियों पर बैठकर गेम खेलने लगे।

कान में एयरबड लगाकर वह गेम में ऐसे डूबे कि उन्हें ट्रेन के इंजन की आवाज भी नहीं सुनाई दी और परिणाम स्वरूप दोनों को अपनी जान गंवानी पड़ गई। 11 वर्षीय पंकज व 14 वर्षीय आदित्य सोमवार सुबह नौ बजे बाल कटाने के लिए निकले थे। पंकज के पास फोन नहीं था, लेकिन उसके दोस्त आदित्य ने दो माह पहले ही जिद करके नया फोन लिया था।

उसी फोन को लेकर दोनों निकले थे। बाल कटाकर लौटने के बाद आदित्य व पंकज ट्रेन पटरियों पर बैठकर मोबाइल में गेम खेलने लगे। दोनों के कान में एक-एक एयरबड लगी होने की वजह से उन्हें आस-पास का शोर सुनाई नहीं दिया। इसकी वजह से इंजन की चपेट में आ गए। चश्मदीदों का कहना हैं कि दोनों कभी भी पटरियों की तरफ नहीं जाते थे, लेकिन सोमवार को पता नहीं दोनों कैसे वहां बैठकर फोन चलाने लगे। पुलिस को घटना स्थल से टूटा हुआ फोन भी बरामद हुआ। पोस्टमार्टम के बाद आदित्य के स्वजन उसका शव ले गए। पंकज का शव अभी भी डीप फ्रीजर में रखा हुआ है। उनके पिता हिमाचल से लौट रहे हैं। एसपी सिटी, मानुष पारीक का कहना है कि दो छात्रों की रेलवे ट्रैक पर बैठकर मोबाइल चलाने के दौरान ट्रेन के इंजन की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों के कान में एयरबड लगे हुए थे, जिसकी वजह से उन्हें इंजन की आवाज सुनाई नहीं दी। पंकज के चाचा मोहित ने बताया कि पंकज के पिता ओमवीर हिमाचल के ऊना में रहकर राज मिस्त्री का काम करते हैं। आदित्य की तहेरी बहन ने फोन पर बताया कि आदित्य के पिता ऋषि सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं।

# आंदोलनरत बिजलीकर्मियों के दबाव में झूका पावर कापोर्रेशन प्रबंधन

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनरतले निजीकरण के विरोध में चल रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन के आगे अंततः बिजली कापोर्रेशन प्रबंधन को झूकना ही पड़ा। सोमवार को भी चौथे दिन आंदोलनरत बिजलीकर्मियों ने अपने-अपने घरों की बिजली ठप कर विरोध प्रदर्शन व क्रमिक अनशन जारी रखा। आंदोलन में बनारस सहित अन्य जिलों के भारी संख्या में बिजलिकर्मियो ने भाग लिया।

समिति के मीडिया प्रभारी अंकुर पांडेय ने बताया कि पदाधिकारियों और पावर कारपोरेशन के चेयरमैन व शीर्ष प्रबंधन के बीच आज पांच महीने के गतिरोध के बाद निजीकरण के मामले को लेकर पहली बार वार्ता हुई। संघर्ष समिति ने चेयरमैन से साफ शब्दों में कहा कि सार्थक वार्ता का वातावरण बनाने हेतु उत्पीड़न की समस्त कार्यवाईयां वापस लिए जाएं। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारियों ने आज अपने घरों पर एक घंटा बिजली बंद कर निजीकरण के बाद आम जनता को लालटेन युग आने का संदेश दिया।

उन्होंने बतया कि क्रमिक अनशन के तीसरे दिन 4 मई की रात 10 बजे संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का शुगर लेवल बहुत ज्यादा गिर गया और उनका बीपी बहुत अधिक बढ़ गया था। उनकी हालत निरंतर खराब होने के बावजूद अपना अनशन जारी रखा। रात 12 बजे से 02 बजे तक पॉवर कॉरपोरेशन प्रबन्धन ने पुलिस और मेडिकल टीम का दबाव बनाकर उनका अनशन समाप्त कराने की कोशिश की, किन्तु समाचार मिलते ही आधी रात को शक्ति भवन पर सैकड़ों बिजली कर्मी आ गए और विरोध में जोरदार नारे लगाने लगे जिससे अनशन जबरदस्ती समाप्त कराने की प्रबन्धन की चाल कामयाब न हो सकी।

उन्होंने बताया कि 5 मई को संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने ऐलान कर दिया कि जब तक चेयरमैन संघर्ष समिति से वार्ता नहीं करते तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। उनके इस अनिश्चितकालीन अनशन के ऐलान से प्रबन्धन के हाथ पैर फूल गए और अंततः पांच महीने का गतिरोध टूटा और चेयरमैन को निजीकरण के मामले में संघर्ष समिति को वार्ता हेतु बुलाना पड़ा। वार्ता में संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मी सुधार हेतु हमेशा सहयोग देने के लिए तैयार हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि प्रबंधन ने आज तक सुधार के लिए कोई सहयोग नहीं लिया। और एकतरफा निजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी। चेयरमैन ने कहा कि सुधार कैसे होगा यह बिजली कर्मियों का नहीं सरकार का कार्य है। इस पर संघर्ष समिति ने कहा की वे हमेशा सहयोग देने के लिए तैयार है, यह प्रबंधन की इच्छा है कि वह सहयोग लेना चाहे तो ले ना लेना चाहे तो ना लें।

अंकुर पांडेय ने बताया कि संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के सामने प्रबन्धन ने पीपीटी प्रेजेंटेशन करना शुरू कर दिया, जिसके आंकड़े विवादास्पद हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि वार्ता का समय निर्धारित किया जाए, संघर्ष समिति भी सुधार हेतु अपना प्रेजेंटेशन देगी। चेयरमैन ने शीघ्र विस्तृत वार्ता करने के लिए कहा। संघर्ष समिति ने साफ शब्दों में कहा कि वार्ता के पहले वार्ता का वातावरण बनाया जाना बहुत जरूरी है और वार्ता का वातावरण बनाने हेतु निजीकरण के संघर्ष के दौरान मनमाने ढंग से की गई उत्पीड़न की सभी कार्यवाहियां वापस लिया जाना